राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 217 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,30 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

## एक नज़र...

### पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की एडिटर्स गिल्ड ने कड़ी निंदा की

**नई दिल्ली।** एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने किसानों की गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर परेड तथा उस दौरान हुई हिंसा की रिपोर्टिंग करने पर वरिष्ठ संपादकों एवं पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज करने के कदम की शुक्रवार को कड़ी निंदा की और इसे मीडिया को ''डराने-धमकाने, प्रताड़ित करने तथा दबाने'' का प्रयास बताया। एडिटर्स गिल्ड ने वक्तव्य जारी कर मांग की कि ऐसी प्राथमिकियां तुरंत वापस ली जाएं तथा मीडिया को बिना किसी डर के आजादी के साथ रिपोर्टिंग करने की इजाजत दी जाए। वक्तव्य में कहा गया कि एक प्रदर्शनकारी की मौत से जुड़ी घटना की रिपोर्टिंग करने, घटनाक्रम की जानकारी अपने निजी सोशल मीडिया हैंडल पर तथा अपने प्रकाशनों पर देने पर पत्रकारों को खासतौर पर निशाना बनाया गया। गिल्ड ने कहा, ''यह ध्यान रहे कि प्रदर्शन एवं कार्रवाई वाले दिन, घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों तथा पुलिस की ओर से अनेक सूचनाएं मिलीं। अतः पत्रकारों के लिए यह स्वाभाविक बात थी कि वे इन जानकारियों की रिपोर्ट करें। यह पत्रकारिता के स्थापित नियमों के अनुरूप ही था।'' उसने कहा कि वह ''उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश पुलिस के डराने-धमकाने के तरीके की कड़ी निंदा करता है'' जिन्होंने किसानों की प्रदर्शन रैलियों और हिंसा की रिपोर्टिंग करने पर वरिष्ठ संपादकों एवं पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कीं। इन वरिष्ठ संपादकों एवं पत्रकारों में गिल्ड के पूर्व एवं मौजूदा पदाधिकारी शामिल हैं। गिल्ड ने रेखांकित किया कि इन प्राथमिकियों में आरोप लगाया गया है कि ट्वीट दानिस्ता तौर पर दुर्भावनापूर्ण थे और लाल किले पर उपद्रव का कारण बने। उसने कहा कि कि इससे ज्यादा कुछ भी सच्चाई से परे नहीं हो सकता है। उसने कहा, ''उसी दिन ढेर सारी सूचनाएं मिल रही थीं। ईजीआई ने पाया कि विभिन्न राज्यों में दर्ज ये प्राथमिकियां मीडिया को चुप कराने, डराने-धमकाने तथा प्रताड़ित करने के लिए थीं।'' उसने कहा कि ये प्राथमिकियां दस भिन्न प्रावधानों के तहत दर्ज की गई हैं जिनमें राजद्रोह के कानून, सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ना, धार्मिक मान्यताओं को अपमानित करना आदि शामिल हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया था कि किसानों की ट्रैक्टर परेड और उस दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में नोएडा पुलिस ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर और छह पत्रकारों के खिलाफ राजद्रोह समेत अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया है। जिन पत्रकारों के नाम प्राथमिकी में हैं, उनमें मृणाल पांडे, राजदीप सरदेसाई, विनोद जोस, जफर आगा, परेश नाथ और अनंत नाथ शामिल हैं। एक अनाम व्यक्ति के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है।

### दिल्ली पुलिस ने किसानों को बुराड़ी मैदान से हटाया

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी इलाके बुराड़ी के डीडीए मैदान से प्रदर्शनकारी किसानों को हटा दिया। वे नवंबर के अंत से ही यहां डेरा डाले हुए थे। पुलिस ने बताया कि बुराड़ी से 30 किसान सिंघु सीमा पर चले गए हैं और 15 अन्य को 26 जनवरी को प्रदर्शनकारियों द्वारा हिंसा में संलिप्तता के शक में हिरासत में लिया गया है। बुराड़ी ग्राउंड पहले किसानों को विरोध प्रदर्शन के लिए दिया गया था, लेकिन अधिकांश किसान सिंघु, टीकरी और गाजीपुर सीमा पर इकट्ठा हो गए। इस ग्राउंड में कम ही प्रदर्शनकारी रहे। यह घटनाक्रम इन तीन सीमाओं पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच बढ़ते तनाव के बाद हुआ है।

### अदालत ने कलीता की जमानत याचिका की खारिज

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने पिछले साल फरवरी में शहर के उत्तर पूर्वी हिस्से में हुए दंगों के मामले में गिरफ्तार जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की छात्रा एवं पिंजरा तोड़ की सदस्य देवांगना कलीता की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कलीता के खिलाफ सख्त गैर कानूनी गतिविधि अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने बृहस्पतिवार को पारित आदेश में कहा कि कलीता पर लगाए गए आरोप प्रथमदृष्ट्या सही साबित होते हैं। कलीता को दंगों की पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

**किसान आंदोलन में फिर हिंसा:** सिंघु बॉर्डर खाली करवाने पहुंचे लोगों और किसानों में पथराव

# सिंघु पर संग्राम

**नई दिल्ली, (वेबवार्ता)।** किसान आंदोलन के बीच सिंघु बॉर्डर पर शुक्रवार को बवाल हो गया। दोपहर करीब 1 बजे नरेला की तरफ से आए लोग धरनास्थल पर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए किसानों से बॉर्डर खाली करने की मांग करने लगे। इनका कहना था कि किसान आंदोलन के चलते लोगों के कारोबार ठप हो रहे हैं। पौने दो बजे तक ये लोग किसानों के टेंट तक पहुंच गए और उनकी जरूरत के सामान तोड़ दिए। इसके बाद किसानों और नारेबाजी कर रहे लोगों के बीच झड़प शुरू हो गई। दोनों ओर से पथराव भी हुआ। पुलिस ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ते देख लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस झड़प में 5 पुलिसवाले घायल हो गए। अलीपुर थाने के SHO प्रदीप पालीवाल भी तलवार से हुए हमले में जख्मी हो गए। बवाल के बाद हरियाणा सरकार ने एहतियातन 17 जिलों में कल शाम 5 बजे तक इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा दी है। इस दौरान केवल कॉलिंग सर्विसेज जारी रहेंगी। शुक्रवार दोपहर हुई झड़प से पहले किसान मजदूर संघर्ष समिति के नेता सतनाम सिंह पन्नू ने केंद्र सरकार पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार RSS के लोगों को भेजकर किसानों के धरनास्थल पर माहौल बिगाड़ रही है।

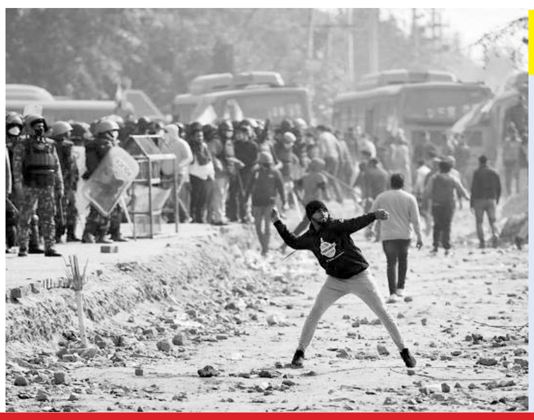

> स्वारज पार्टी के नेता योगेंद्र यावद ने कहा कि पीएम मोदी, यूपी से सीएम योगी आदित्यनाथ समेत सभी ध्यान से सुन लें, किसान इस आंदोलन से पीछे नहीं हटने वाले। उन्होंने कहा कि अगले 72 घंटों में हर किसान के घर से एक व्यक्ति धरना स्थल पहुंचेंगे और आंदोलन को मजबूत करेंगे।

### महापंचायत का फैसला- किसान दिल्ली जाएं और आंदोलन को मजबूत करें

किसानों का आंदोलन एक बार फिर तेज हो गया है। गणतंत्र दिवस पर देश की राजधानी दिल्ली में हिंसा के बाद आंदोलन में नरमी देखने को मिली। लेकिन गाजीपुर सीमा पर बवाल के बाद एक बार फिर किसान जोश में आ गए हैं। राकेश टिकैत के गुरुवार शाम को मीडिया के सामने आंसू बहाए। इसके बाद पश्चिमी यूपी और हरियाणा के अलग-अलग इलाकों से किसान गाजीपुर सीमा पहुंचने लगे हैं। मुजफ्फरनगर महापंचायत में फैसला लिया गया कि आज सीधा दिल्ली नहीं जाना है। गाजीपुर बॉर्डर पर पहले से ही बहुत लोग पहुंच गए हैं। कल से लोग अपने अपने हिसाब से दिल्ली जाए और आंदोलन को मजबूत करें। योगेंद्र यादव ने कहा कि मोदी जी और योगी जी और अन्य सभी ध्यान से सुन लें, किसान इस आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे, चाहे जितना अपमानित और बदनाम कर लें।

### सरकार से बात करना चाहते हैं टिकैत

गाजीपुर बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के बीच भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एक बार फिर सरकार से बातचीत करने की मंशा जाहिर की है। बॉर्डर पर सुबह से ही नेताओं के आने का सिलसिला जारी है। ऐसे में टिकैत के सरकार से बातचीत करने की इच्छा इस आंदोलन को एक नया मोड़ दे सकती है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बॉर्डर पर मीडिया से बात कर कहा कि, कृषि कानूनों पर हम एक बार फिर भारत सरकार से बातचीत करेंगे, जो हमारे रास्ते हैं उनपर चर्चा करेंगे। हमने सरकार को संदेश भेज दिया है कि हम भारत सरकार से बातचीत करना चाहते हैं।

## पीएम ने किसानों पर हमला कर भारत को कमजोर किया: राहुल

> राहुल गांधी ने कहा कि किसानों के साथ बहुत बुरा हो रहा है। सरकार समस्याओं का हल निकालने की बजाय किसानों को धमका रही और पीट रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों से बात करने की जरूरत है। वर्ना ऐसे में यह आंदोलन देश के शहर-शहर, गांव-गांव फैल जाएगा।

केंद्र के विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ दो महीने से अधिक समय से जारी किसान आंदोलन को लेकर दो दिनों से जारी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज किसानों के समर्थन में एक प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने एक बार किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए किसानों के साथ व्यवहार को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। तीनों विवादित कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर सरकार ने इन कानूनों को वापस नहीं लिया तो किसानों का यह आंदोलन शहरों से गांवों तक पहुंच जाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के साथ बहुत बुरा हो रहा है। किसानों को पीटा जा रहा है। इस समय सरकार को किसानों से बात करने की जरूरत है। मुद्दे का हल निकलाने के बजाय सरकार किसानों को धमका रही है, उन्हें पीट रही है। सरकार बॉर्डर पर जो किसानों को मार रही है, वह बिल्कुल गलत है। सरकर अगर ध्यान नहीं देगी तो यह आंदोलन और बढ़ता चला जाएगा। यह आंदोलन धीरे-धीरे शहरों में फैलता जाएगा। ऐस में जरूरत है कि सरकार किसानों से बात कर उनके मुद्दे का हल जल्द से जल्द निकाले। गणतंत्र दिवस के दिन किसान ट्रैक्टर रैली के दौरान कुछ किसानों के लाल किला में जाने पर पूछे गए एक सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि यह सवाल गृह मंत्री से पूछिए कि लाल किले पर प्रदर्शनकारियों को किसने जाने दिया। उन्होंने कहा कि हो सकता है कुछ लोग गलत हों। जो लोग गलत हैं, उनके खिलाफ आप कार्रवाई कीजिए। लेकिन लाखों किसान जो कृषि कानूनों के खिलाफ सड़क पर हैं, उनसे सरकार को बात करनी चाहिए।

# किसानों की मांगें वाजिब

## उन्हें बदनाम करने की कोशिश पूरी तरह गलतः केजरीवाल

**नई दिल्ली, (वेबवार्ता)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आंदोलनरत किसानों की मांगों को वाजिब तथा उन्हें बदनाम करने की कोशिश को पूरी तरह गलत करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी आम आदमी पार्टी (आप) किसानों के जारी प्रदर्शन का पूरा समर्थन करती है। केजरीवाल किसान नेता राकेश टिकैत के असत्यापित एकाउंट से किये गये ट्वीट का जवाब दे रहे थे। टिकैत ने ट्वीट में किसानों के वास्ते इंतजाम करने को लेकर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया था। केजरीवाल ने लिखा, ''राकेश जी, हम पूरी तरह से किसानों के साथ हैं। आपकी मांगें वाजिब हैं। किसानों के आंदोलन को बदनाम करना, किसानों को देशद्रोही कहना और इतने दिनों से शांति से आंदोलन कर रहे किसान नेताओं पर झूठे केस करना सरासर गलत है।'' दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आंदोलनकारी किसानों के लिए किये गये दिल्ली सरकार के इंतजामों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को गाजीपुर बार्डर का दौरा किया। ये किसान नये कृषि कानून वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

- ➲ मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन शुक्रवार सुबह गाजीपुर में धरने पर बैठे राकेश टिकैत से मिले
- ➲ केजरीवाल ने भी ट्वीट कर कहा, आम आदमी पार्टी किसानों के जारी प्रदर्शन का पूरा समर्थन करती है
- ➲ टिकैत ने भी गाजीपुर बॉर्डर पर डटे किसानों के लिए इंतजाम करने को लेकर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया

गाजियाबाद प्रशासन ने बृहस्पतिवार रात को प्रदर्शनकारी किसानों को यूपी गेट प्रदर्शन स्थल खाली करने का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन टिकैत यह कहते हुए डटे रहे कि वह खुदकुशी कर लेंगे लेकिन आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। गाजियाबाद प्रशासन के अल्टीमेटम के बाद भी शुक्रवार को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर भारतीय किसान यूनियन के

### मनीष सिसोदिया ने गाजीपुर बार्डर का दौर कर दिल्ली सरकार के इंतजामों का जायजा लिया

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्र के तीन नये कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे किसानों के लिए आप सरकार द्वारा किये गये इंतजामों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को गाजीपुर बार्डर का दौरा किया। सिसोदिया ने संवाददाताओं से कहा, ''आम आदमी पार्टी (आप) प्रदर्शनकारी किसानों का समर्थन करती है और मैं दिल्ली सरकार द्वारा उनके लिए किये गये इंतजामों का जायजा लेने यहां आया हूं। मैंने किसानों के लिए पीने के पानी, शौचालय और अन्य सुविधाओं को लेकर किये गये इंतजामों का निरीक्षण किया है।'' उन्होंने कहा कि किसान नेता राकेश टिकैत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से बातचीत की थी और मूलभूत सुविधाएं मांगी थीं। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री के आदेश पर रात में इंतजाम किये गये।''

# दुनियाभर में भारत की जय-जयकार से ड्रैगन के कलेजे पर लोटा सांप

**नई दिल्ली** । संकट के इस दौर में जिस तरह से हिन्दुस्तान ने पड़ोसी समेत कई देशों को मुफ्त वैक्सीन देकर मदद की है, उससे पूरी दुनिया में भारत की जय जयकार हो रही है। दुनियाभर में भारत की हो रही वाह-वाही ने चीन को भी अपनी वैक्सीन डिप्लोमेसी में बदलाव करने को मजबूर कर दिया है। भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी को देखकर चीन ने पाकिस्तान के अलावे कुछ अन्य देशों को मुफ्त वैक्सीन देने का मन बनाया है। पाकिस्तान को पांच लाख कोरोना वैक्सीन देने का वादा करने वाले चीन ने श्रीलंका को 3 लाख कोरोना टीके मुफ्त में देने का वादा किया है।

चीन ने गुरुवार को कहा कि वह श्रीलंका को तीन लाख कोरोना टीके मुफ्त में देगा। इसी के साथ भारत-चीन के बीच टीका कूटनीति की रेस तेज होती दिख रही है। भारत पहले ही अपने पड़ोसी देशों को मुफ्त में टीका उपलब्ध करा चुका है। भारत दुनियाभर के देशों को टीका भेज रहा है, जिसके जवाब में अब चीन ने भी मुफ्त में टीका देना शुरू किया है। बताया जा रहा है कि श्रीलंका के अनुरोध पर चीन ने तीन लाख टीके भेजने का फैसला लिया। चीनी कंपनी सिनोफर्मा निर्मित कोरोना टीके की पहली खेप श्रीलंका को फरवरी मध्य तक मिल जाएगी।

हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि श्रीलंका को खुद से चीन ने वैक्सीन ले जाने के लिए कहा है या फिर ड्रैगन पहुंचाएगा। यहां इस बात का जिक्र करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि चीन ने पाकिस्तान को जब टीका देने का ऐलान किया था, तब उसने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से कहा था कि अपना विमान लाओ और यहां से वैक्सीन लेकर जाओ। जी हां, चीन ने पाकिस्तान को अपने खर्चे पर वैक्सीन ले जाने को कहा था। भारत ने एक ओर जहां नेपाल जैसे छोटे देश को दस लाख वैक्सीन दी है, वहीं चीन ने करीब 21 करोड़ की आबादी वाले पाकिस्तान को 5 लाख वैक्सीन देने की पेशकश की थी।

भारत के कोरोना टीके को लेकर अब दुनियाभर के देश दिलचस्पी दिखा रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत से कोविड टीका हासिल करने में विभिन्न देशों को रूचि है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री की कोविड से लड़ाई में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग की प्रतिबद्धता के मुताबिक भारत विभिन्न देशों को वैक्सीन दे रहा है। हमने अपने पड़ोस में सबसे पहले वैक्सीन उपलब्ध कराने का दायित्व निभाया है और इसके अलावा अन्य देशों को भी आपूर्ति की है।

# दोस्ती की सालगिरह पर धमाका

## दिल्ली में इजराइली दूतावास के पास ब्लास्ट, दोनों देशों के डिप्लोमेटिक रिश्तों की 29वीं एनिवर्सरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली में इजराइली दूतावास के पास ब्लास्ट हुआ है। दूतावास की इमारत से करीब 150 मीटर की दूरी पर शुक्रवार शाम को करीब 5 बजे हुए इस ब्लास्ट में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। ब्लास्ट से आसपास खड़ी चार से पांच गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। इस ब्लास्ट को लेकर चिंता इसलिए भी बढ़ गई, क्योंकि आज ही भारत-इजराइल के कूटनीतिक रिश्तों की 29वीं सालगिरह है। दिल्ली पुलिस ने बताया, इजराइल के दूतावास के पास एक लो इंटेंसिटी ब्लास्ट हुआ है। फिलहाल इसकी वजह का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

### ब्लास्ट की जगह से 1.7 किमी दूरी पर मौजूद थे VVIP

लुटियंस जोन में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर इजराइल दूतावास के पास जहां ब्लास्ट हुआ, वो जगह विजय चौक से करीब 1.7 किलोमीटर की दूरी पर है। विजय चौक पर ही बीटिंग रिट्रीट चल रही थी, जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री समेत कई VVIP मौजूद थे।

**भारत-इजराइल के डिप्लोमेटिक रिश्तों की 29वीं सालगिरह**

*भारत और इजराइल के डिप्लोमेटिक रिलेशनशिप की आज 29वीं सालगिरह है। इस मौके पर इजराइली दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया था। आज ही के दिन 1992 में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्तों की शुरुआत हुई थी। इजराइल के PM नेतान्याहू के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दोस्ती भी काफी चर्चा में रही थी।*

**संसद का बजट सेशन:** राष्ट्रपति ने कहा- कानून और नियमों का पालन करना चाहिए..

# गणतंत्र दिवस पर हुआ तिरंगे का अपमान दुर्भाग्यपूर्ण

**नई दिल्ली, (वेबवार्ता)।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 26 जनवरी को प्रदर्शनकारी किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान लाल किले पर धार्मिक ध्वज फहराए जाने की घटना की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को कहा कि गणतंत्र दिवस पर तिरंगे का अपमान बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि संविधान हमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार देता है, वही संविधान हमें सिखाता है कि कानून और नियम का भी उतनी ही गंभीरता से पालन करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि किसानों के आंदोलन के मुद्दे को लेकर कांग्रेस समेत 20 से अधिक पार्टियों ने राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार किया है। कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, नेशनल कांफ्रेंस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना, सपा, राजद, माकपा, भाकपा, आईयूएमएल, आरएसपी, पीडीपी, एमडीएमके, केरल कांग्रेस(एम) और एआईयूडीएफने

बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति अभिभाषण के बहिष्कार का फैसला संयुक्त रूप से किया था। बाद में आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल, जनता दल (एस) और बसपा ने भी दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान कांग्रेस के लोकसभा सदस्य रवनीत सिंह बिट्टू केंद्रीय कक्ष पहुंचे और कृषि कानूनों के खिलाफ नारेबाजी की। कृषि कानूनों का उल्लेख करते हुए कोविंद ने कहा, ''व्यापक विमर्श के बाद संसद ने सात महीने पूर्व तीन महत्वपूर्ण कृषि सुधार, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, कृषि (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक, और आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक पारित किए हैं।'' उन्होंने कहा, ''इन कृषि सुधारों का सबसे बड़ा लाभ भी 10 करोड़ से अधिक छोटे किसानों को तुरंत मिलना शुरू हुआ। छोटे किसानों को होने वाले इन लाभों को समझते हुए ही अनेक राजनीतिक दलों ने समय-समय पर इन सुधारों को अपना भरपूर समर्थन दिया था।'' राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया, ''वर्तमान में इन कानूनों के क्रियान्वयन देश की सर्वोच्च अदालत ने स्थगित किया हुआ है। मेरी सरकार उच्चतम न्यायालय के निर्णय का पूरा सम्मान करते हुए उसका पालन करेगी।'' उन्होंने कहा, ''पिछले दिनों तिरंगे और गणतंत्र दिवस जैसे पवित्र दिन का अपमान बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जो संविधान हमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार देता है, वही संविधान हमें सिखाता है कि कानून और नियम का भी उतनी ही गंभीरता से पालन करना चाहिए।'' कोविंद ने कहा, ''मेरी सरकार यह स्पष्ट करना चाहती है कि तीन नए कृषि कानून बनने से पहले, पुरानी व्यवस्थाओं के तहत जो अधिकार थे तथा जो सुविधाएं थीं, उनमें कहीं कोई कमी नहीं की गई है। बल्कि इन कृषि सुधारों के जरिए सरकार ने किसानों को नई सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ नए अधिकार भी दिए हैं।'' उन्होंने यह भी बताया, ''कृषि को और लाभकारी बनाने के लिए मेरी सरकार आधुनिक कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी विशेष ध्यान दे रही है। इसके लिए एक लाख करोड़ रुपए के एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड की शुरुआत की गई है।''

## अहम फैसलाः बाइडेन ने यूएई को एफ-35 फाइटर जेट्स बेचने पर रोक लगाई, सऊदी अरब से आर्म्स डील भी रिव्यू की जाएगी

**वॉशिंगटन।** जो बाइडेन ने अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद पहले हफ्ते में कुछ अहम फैसले किए हैं। उनके एक फैसले ने ज्यादातर लोगों को हैरान कर दिया है। बाइडेन ने रात UAE को F-35 फाइटर जेट्स बेचे जाने के फैसले पर अस्थायी तौर पर रोक लगा दी। इतना ही नहीं, अमेरिका के पुराने सहयोगी सऊदी अरब को

हथियार बेचे जाने के फैसले को भी रिव्यू किया जाएगा। यह दोनों ही फैसले ट्रम्प ने 2019 में किए थे। UAE को F-35 बेचे जाने पर अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ गया था। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने साफ कर दिया है कि आर्म्स डील के मामले में सभी पक्षों को फिर से देखा जाएगा और इसके बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा।

**इस फैसले की वजह क्या**

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने फैसले की जानकारी दी। कहा- अब इन डील्स पर अस्थायी तौर पर रोक लगाई गई है। नई सरकार इसका रिव्यू करेगी। माना जा रहा है कि सऊदी अरब और UAE यमन में जिस तरह आक्रामक रुख अपना रहे हैं, उससे मानवाधिकारों का हनन हो रहा है और इस फैसले के पीछे दोनों देशों को यही संकेत देना है कि बाइडेन इस मुद्दे पर गंभीर हैं।

**मामले को तूल न दें**

प्रवक्ता ने कहा- जब भी कोई नई सरकार सत्ता में आती है तो इस तरह के फैसले लिए जाते हैं। कुछ डील्स को रिव्यू किया जाता है। हम चाहते हैं कि ट्रांसपेरेंसी यानी पारदर्शिता बनी रहे। इन मामलों को न तो तूल देने की जरूरत है और न ही ज्यादा तवज्जो। यह रूटीन प्रॉसेस है। हम चाहते हैं कि हमारे सहयोगियों की सुरक्षा जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

**अरब-इजराइल डील पर असर नहीं होगा**

ट्रम्प के दौर में उन्होंने अरब देशों और इजराइल को करीब लाने के लिए बहुत मेहनत की। नतीजा ये हुआ कि UAE समेत चार अरब देशों ने इजराइल से डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू कर दिए। इजराइल ने UAE में अपनी एम्बेसी भी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यूएई ने इजराइल और ईरान से खतरे के आधार पर स्न-35 की डील की थी। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन को लगता है कि यूएई को अब दोनों देशों से खतरा नहीं है।

## वैक्सीनेशन में रंगभेद की शिकायतः अमेरिका कोरोना से संक्रमण और मौतें अश्वेतों की ज्यादा, टीके श्वेतों को ज्यादा लगाए जा रहे हैं

**न्यूर्याक।** दुनिया में कोरोना संक्रमितों की संख्या 10 करोड़ पार कर गई है। सबसे संक्रमित अमेरिका में हालात अभी चिंताजनक बने हुए हैं। वहां अब तक 2.6 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, 4.35 लाख की जानें भी जा चुकी हैं। वहां कोरोना से

बचाव का टीकाकरण 45 दिन से चल रहा है।

**4फीसदी श्वेत आबादी को टीका लगा**

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीकाकरण में भी रंगभेद की शिकायत सामने आई है। 14 राज्यों के टीकाकरण के विश्लेषण से पता लगा कि वहां लैटिन और अश्वेतों के मुकाबले ढाई गुना श्वेतों को टीका लगा। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के डेटा के मुताबिक, देश की 4फीसदी श्वेत आबादी को टीका लग चुका है, यह संख्या अश्वेतों ( 1.9फीसदी) के मुकाबले 2.3 गुना ज्यादा है। एक सच्चाई ये भी है कि कोरोना से जान गंवाने वाले अश्वेतों की संख्या श्वेतों के मुकाबले 5 गुना है। जबकि अस्पताल में भर्ती अश्वेत भी श्वेत के मुकाबले 4 गुना हैं। अमेरिका में स्वास्थ्यकर्मियों, इलाजरत बुजुर्गों को सबसे पहले टीका लग रहा है।

**चिंताः ब्रिटेन में मौतें एक लाख, 37 लाख संक्रमित**

ब्रिटेन में कोरोना से मरने वाले लोगों की संख्या 1 लाख के पार हो गई है। वहीं, 36.89 लाख लोग संक्रमित हुए।

ताइवान में 7वीं बार कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने पर 26 लाख डॉलर का जुर्माना लगा है। वह चीन से लौटा था।

**राहतः ऑस्ट्रेलिया में 10 दिन से स्थानीय केस नहीं**

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना से लड़ाई की अच्छी खबर है। वहां 10 दिन से कोई भी स्थानीय मरीज सामने नहीं आया है।

ऑस्ट्रेलिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे विक्टोरिया में मरीज आए तीन सप्ताह गुजर चुके हैं।

# ट्रक-बस की जोरदार भिड़ंत से 53 यात्रियों की मौत

**कैमरून।** कैमरून में भीषण हादसे में 53 यात्रियों की मौत हो गयी है। वहीं 21 लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना के बाद देश मे हड़कम्प मच गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवैध ईंधन ले जा रहे ट्रक ने यात्रियों से भरी बस को टक्कर मार दी, जिसके बाद कोहराम मच गया।

**कैमरून में सड़क हादसा**

मामला, मध्य अफ्रीका के पश्चिमी कैमरून का है, यहां सांतचोउ गांव के पास बड़ा सड़क हादसा हो गया है। अवैध ईंधन ढो रहे ट्रक ने बीते दिन एक बस को टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि बस में आग लग गयी और यात्रियों में अफरातफरी फैल गयी।

**53 यात्रियों की मौत, 21 लोग घायल**

देखते ही देखते मौके पर ही 53 यात्रियों की मौत हो गयी। वहीं 21 यात्री घायल बताये जा रहे, जिन्हें पश्चिमी शहर दाश्चांग और बफोउस्सम, अवा फोंका और अगस्टिन के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मिली

जानकारी के मुताबिक, 70 सीटों वाली ये बस पश्चिमी शहर फोउम्बान से राजधानी याउंदे आ रही थी, तभी ये भीषण हादसा हो गया।

**अवैध ईंधन ढो रहे ट्रक की यात्री बस से टक्कर**

बता दें कि कैमरून में सड़क दुर्घटनाएं आम बात हैं। यहां सरकार लापरवाह ड्राइवरों और वाहनों की खराब स्थिति को दोषी मानती है, जबकि ड्राइवर सड़कों की खराब स्थितियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। गौरतलब है कि बीते साल दिसंबर में माकेनेन गांव में एक दुर्घटना में 37 लोगों की मौत हो गई थी।

## यूएफओ की गुत्थीः पाकिस्तान के 2 पायलट्स का दावा- आसमान में उड़न तश्तरी देखी

**लाहौर।** पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के दो पायलट्स ने दावा किया है कि उन्होंने शनिवार (23 जनवरी) को लाहौर और कराची के बीच उड़न तश्तरीदेखी। दोनों ने कॉकपिट से इसका वीडियो भी बनाया। वीडियो में एक तेज सफेद रोशनी का गोला चमकता नजर आता है। कॉकपिट में दोनों पायलट बातचीत भी सुनी जा सकती है।

**बहुत तेज थी रोशनी**

शनिवार को PIA की फ्लाइट नंबर PK-304 कराची से लाहौर जा रही थी। इसमें दो पायलट्स थे। शाम करीब चार बजे अचानक उन्होंने आसमान में एक तेज रोशनी का गोला देखा। यह तेजी से जगह बदल रहा था। 'जियो न्यूज' के मुताबिक, पायलट्स की नजर इस पर गई। कुछ देर बाद उन्होंने इसका वीडियो बनाना शुरू किया। बाद में यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह कथित उड़न तश्तरी रहीम यार खान इलाके में देखी गई।

**पायलट्स ने क्या कहा**

वीडियो बनाने वाले पायलट

का नाम सामने नहीं आया। उसने कहा- उस वक्त सूरज की रोशनी काफी तेज थी। इसके बावजूद स्न्ह काफी चमक रही थी। आमतौर पर दिन में इस तरह की चीजें सामने नहीं आतीं। हो सकता है यह कोई स्पेस स्टेशन या आर्टिफीशियल प्लेनेट रहा हो। इस इलाके के कुछ और लोगों ने भी यह स्न्ह देखने का दावा किया है।

एयरलाइंस कंपनी ने कहा- हम दावे से नहीं कह सकते कि यह स्न्ह थी। कुछ और भी हो सकता है। पायलट्स ने फौरन इसकी जानकारी कंट्रोल रूम को दे दी थी।

**क्या हैं यूएफओ**

आसमान में उड़ती गोल आकार की अनजान वस्तुओं को सामान्य तौर पर उड़न तश्तरी या स्न्ह कहा जाता है। कई दशकों से इनके बारे में दावे किए जाते रहे हैं। वैज्ञानिक भी इनकी मौजूदगी को लेकर एकराय नहीं हैं। कई लोग तो यह भी दावा करते हैं कि यह स्न्ह दूसरे या उन ग्रहों से आती हैं जहां किसी न किसी रूप में इन्सान या एलियन्स की मौजूदगी है। पुख्ता सबूत कभी सामने नहीं आए। 'हिस्ट्री चैनल' के मुताबिक, अमेरिकी सरकार ने 1947 से 1969 के बीच प्रोजेक्ट ब्लू बुक के तहत इनकी जांच भी कराई थी। हालांकि, इसकी रिपोर्ट कभी पब्लिक नहीं की गई।

**एरिया 51 कनेक्शन**

अमेरिका के नेवादा राज्य में एक बेहद सुरक्षित और इतनी ही सीक्रेट लोकेशन है। इसे एरिया-51 कहा जाता है। ऊपरी तौर पर इसे स एयरफोर्स का स्टेशन कहा जाता है। लेकिन, कुछ लोग और यहां तक कि अमेरिकी दावा करते हैं कि इस जगह उड़न तश्तरी और एलियन्स से जुड़े कई राज मौजूद हैं। अप्रैल 2020 में अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने दावा किया था कि उसने दो FO स्पॉट किए हैं।

## कोरोना दुनिया में: डब्ल्यू ने कहा- ब्रिटेन में पाया गया नया कोविड-19 वैरिएंट अब 70 देशों में फैला,

**दुबई।** दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 10.14 करोड़ के ज्यादा हो गया। 7 करोड़ 32 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 21 लाख 82 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं। पिछले महीने ब्रिटेन में कोविड-19 का नया वैरिएंट पाया गया था। अब WHO ने इसको लेकर नई चेतावनी जारी की है। संगठन का कहना है कि यह वैरिएंट 70 देशों में फैल चुका है। दूसरी तरफ, अमेरिका में मामले फिर बढ़ रहे हैं।

**WHO ने कहा- ज्यादा सतर्क रहें**

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी WHO ने ब्रिटेन में पिछले महीने पाए गए नए कोविड-19 वैरिएंट को ज्यादा खतरनाक बताया है। संगठन के मुताबिक, ब्रिटेन में पाया गया वैरिएंट अब तक 70 देशों में फैल चुका है। यह वायरस ज्यादा घातक है क्योंकि यह पुराने वायरस के मुकाबले ज्यादा तेजी से फैलता है। WHO ने इस बारे में अपनी वीकली रिपोर्ट भी जारी की है। संगठन ने इस वैरिएंट को B.1.1.7 या VOC 202012/01 नाम दिया है। राहत की बात यह है कि ब्रिटेन, डेनमार्क, आयरलैंड और नीदरलैंड्स में इस नए वैरिएंट के मामले तेजी से कम हुए हैं। ब्रिटेन में पाया गया वैरिएंट साउथ अफ्रीका में पाए गए वैरिएंट से अलग है। WHO के मुताबिक, साउथ अफ्रीका में पाया गया वैरिएंट उतनी तेजी से नहीं फैलता जितना पुराना और ब्रिटेन में पाया गया वैरिएंट फैलता है। साउथ अफ्रीका में पाया गया वैरिएंट 31 देशों तक पहुंच चुका है। WHO ने अपनी वीकली रिपोर्ट में बताया है पिछले हफ्ते दुनिया में संक्रमण के मामले पहले के मुकाबले 15फीसदी कम हुए हैं। संगठन के मुताबिक, महामारी शुरू होने के बाद एक हफ्ते में दर्ज की गई मामलों की यह सबसे कम दर है।

## भारतीय दूतावास पर हमलाः खालिस्तानी समर्थकों ने की तोड़फोड़, रोम-यूएस में उपद्रव

**खालिस्तानी।** भारत में किसान आंदोलन की आड़ में अपने मंसूबों को पूरा करने में लगे खालिस्तानी नेटवर्क रोम और अमेरिका में भी भारत के खिलाफ हमलावर हैं। इसी कड़ी में रोम स्थित भारतीय दूतावास की इमारत में खालिस्तानी समर्थकों ने तोड़फोड़ की और झंडे लहराए। इस घटना के बाद इटली सरकार सकते में है। भारत ने चिंता जाहिर करते हुए इटली सरकार ने कार्रवाई की मांग की और भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया।

**रोम में भारतीय दूतावास पर खालिस्तानी समर्थकों का हमलाः**

दरअसल, रोम में भारत के दूतावास में खालिस्तान समर्थकों ने घुस कर तोड़फोड़ की। जिसके बाद भारत ने इटली की सरकार के सामने चिंता जाहिर की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ने कहा कि रोम में मौजूद राजनयिकों की सुरक्षा का ज़िम्मा इटली सरकार का है। उम्मीद है कि तोड़फोड़ करने वालों पर कार्रवाई होगी और ऐसी घटनाएं आगे नहीं होंगी।

**दीवारों पर लिखा 'खालिस्तान जिंदाबाद', लहराए झंडे**

बता दें कि भारत में जारी किसान आंदोलन के नाम पर खालिस्तानी अपने लिए जमीन तलाश रहे हैं। केवल भारत में ही नहीं, खालिस्तानी अमेरिका में भी एक्टिव हैं। यहां वॉशिंगटन डीसी में कृषि कानून के विरोध की आड़ में उन्होंने भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया और खालिस्तानी झंडे लहराए।

**किसान आंदोलन के नाम पर दूतावास पर तोड़फोड़**

जिसके बाद खालिस्तानी समर्थकों ने किसान आंदोलन के नाम पर रोम भारतीय दूतावास पर भी प्रदर्शन किया। समर्थकों ने दूतावास की दीवारों पर 'खालिस्तान जिंदाबाद' के स्लोगन लिखें। दूतावास पर खालिस्तानी झंडा भी लहरा और तोड़फोड़ मचाई।ये पहली बार नहीं है, जब विदेश में भारतीय दूतावासों के बाहर खालिस्तानी समर्थक जमा हुए हों। इसके पहले भी कई बार इस तरह के प्रदर्शन वो कर चुके हैं। खासतौर पर अमेरिका में।

## चीन-अमेरिका में फिर टकरावः साउथ चाइना सी पर भिड़ें, यूएस ने ड्रैगन को दिया ये संदेश

**बीजिंग।** अमेरिका के नए राष्ट्रपति जो बाइडन भी चीन और अमेरिका के बीच रिश्तों में सुधार होते नहीं दिख रहे हैं। जो बाइडन प्रशासन ने अमेरिका ने साउथ चाइना सी में वॉशिंगटन के जंगी जहाज भेजने को अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत सही बताया है। बाइडन प्रशासन ने ड्रैगन की इस आपत्ति को खारिज कर दिया है। यही नहीं, अमेरिका ने यह भी साफ कर दिया है कि वह दक्षिण एशियाई देशों के साथ मजबूती के साथ खड़ा रहेगा।

**अमेरिका ने कहा कि वह दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के साथ है**

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने फिलीपींस के विदेश मंत्री टेड्डो लोकिन के साथ बातचीत में कहा कि अमेरिका दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के साथ खड़ा है। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में कहा गया है, 'विदेश मंत्री ब्लिंकेन ने कहा कि अमेरिका दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के साथ पूरी तरह से खड़ा है और उस इलाके में किसी प्रकार की दबाव की राजनीति नहीं हो सकती है।'

**इन देशों ने चीन के दावे को हमेशा किया खारिज**

गौरतलब है कि चीन खनिज संपदा से भरपूर पूरे साउथ चाइना सी पर दावा करता है। यह इलाका दुनिया का बड़ा ट्रेड रूट भी है। हालांकि, फिलीपींस, ब्रुनेई, वियतनाम, मलेशिया और ताइवान चीन के दावे को खारिज करते रहे हैं। अमेरिका ने कहा है कि चीन कोरोना वायरस महामारी का फायदा उठाकर दक्षिण चीन सागर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की फिराक में है।

**चीन को अंतरराष्ट्रीय कानून को मानना चाहिए-ब्लिंकेन**

इस मुद्दे को विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने साउथ चाइना सी में ड्रैगन के दावे को खारिज करते हुए कहा कि चीन को अंतरराष्ट्रीय कानून को मानना चाहिए। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप के वक्त से ही चीन के साथ अमेरिका के रिश्ते तल्ख रहे हैं।

**मुस्लिमों के साथ चीन का रवैया तनावपूर्ण**

कोरोना महामारी, हांगकांग का मुद्दा, व्यापार और मुस्लिमों के साथ चीन के रवैये को लेकर अमेरिका का ड्रैगन के साथ लगातार तनाव रहा है। दो सप्ताह पहले ट्रंप ने जाते-जाते वैसे चीनी अधिकारियों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए थे जिससे दक्षिण चीन सागर में तनातनी को बढ़ावा दिया था।

## इमरान सरकार का दावा:पूर्व आईएसआई चीफ दुर्रानी भारतीय जासूस, उनका नाम एक्जिट कंट्रोल लिस्ट से न हटाया जाए

**खालिस्तानी।** पाकिस्तान ने अपनी ही खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के प्रमुख रहे रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल असद दुर्रानी को भारत का जासूस बताया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय ने लिखित जवाब में इस्लामाबाद हाईकोर्ट से दुर्रानी का नाम एक्जिट कंट्रोल लिस्ट से न हटाने का आग्रह किया है।

**2008 से रॉ के संपर्क में दुर्रानी**

रक्षा मंत्रालय ने कोर्ट से कहा है कि उसके पास सबूत हैं, जो बताते हैं कि दुर्रानी 2008 से भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के संपर्क में रहे हैं। असद दुर्रानी का नाम भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत के साथ जोड़ा जाता है। दोनों पूर्व प्रमुखों ने एक साथ मिलकर 'द स्पाई क्रॉनिकल्सः रॉ, आईएसआई एंड द इल्यूजन ऑफ पीस' नाम से किताब भी लिखी है।

**किताब से पाकिस्तान में छिड़ा था विवाद**

'द स्पाई क्रॉनिकल्सः रॉ, आईएसआई एंड द इल्यूजन ऑफ पीस' किताब से पाकिस्तान सेना की बहुत बेइज्जती हुई थी। हार्पर कॉलिंस से प्रकाशित इस पुस्तक में कश्मीर, बुरहान वानी, हाफिज सईद, करगिल युद्ध, कुलभूषण जाधव, बलूचिस्तान, सर्जिकल स्ट्राइक, ओसामा बिन लादेन समेत कई ज्वलंत मुद्दों का उल्लेख है। उन्होंने अपनी किताब में आरोप लगाया था कि पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव के केस को अच्छे से नहीं संभाला।

# अमेरिका के कुछ राज्यों में फिर हो सकती है हिंसा, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का अलर्ट

**वाशिंगटन।** अमेरिका में जो बाइडेन भले ही राष्ट्रपति की कुर्सी पर काबिज हो गए हो लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने बुलेटिन जारी कर बड़े खतरे की आशंका जाहिर की है। बुलेटिन में कहा गया है कि अमेरिका के कुछ राज्यों में फिर से हिंसा हो सकती है। जो बाइडन के राष्ट्रपति बनने के कुछ हफ्तों तक ये खतरा बना रहेगा। इसलिए सुरक्षा बलों और एजेंसियों को सतर्क रहने की जरूरत है।

**अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान क्या हुआ था?**

दरअसल अमेरिका में तीन नवंबर 2020 को राष्ट्रपति का चुनाव हुआ था। इस चुनाव में जो बाइडन को भारी मतों से जीत मिली थी। जीत की पुष्टि के लिए संसद का सत्र चल रहा था उसी दौरान, निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों की भीड़ ने राजधानी वाशिंगटन में उपद्रव करना शुरू

कर दिया। नतीजतन हालात को काबू करने के लिए कई घंटों का लॉकडाउन लागू करना पड़ा था। वहीं हिंसा में पांच लोगों की जान भी चली गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब कांग्रेस चयनित राष्ट्रपति जो बाइडन की इलेक्टोरल कॉलेज जीत की पुष्टि करने की प्रक्रिया में थी,तो उस वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को अमेरिकी राजधानी की कैपिटल हिल में प्रदर्शन करने के लिए उकसाया था।

**ट्रंप समर्थक बैरियर्स को तोड़ते हुए कैपिटल हिल में घुस गये थे**

जिसका परिणाम ये हुआ कि ट्रंप समर्थक बैरियर्स को तोड़ते हुए कैपिटल हिल के अंदर घुसने लगे थे। ऐसी भी खबरें आई थी कि ट्रंप वादा करने के बावजूद कि वह इन प्रदर्शनों में अपने समर्थकों के साथ शामिल होंगे, ट्रंप अपनी एसयूवी में सवार होकर व्हाइट हाउस चले गए और किस तरह ये प्रदर्शन हिंसात्मक हो गए इसका नजारा उन्होंने टीवी पर देखा। दोपहर एक बजे के कुछ देर के अंदर ही सैकड़ों ट्रंप समर्थक राजधानी के चारों ओर लगाए गए बैरियर्स को तोड़ते हुए अंदर घुसने लगे। यहां उनकी पुलिस अधिकारियों के साथ झड़प भी हुई। कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस अधिकारियों को 'गद्दार' कह रहे थे।

## टीकरी बार्डर पर बदल चुका है नजारा, किसानों के मुख्य मंच के सामने सन्नाटा

**नई दिल्ली।** टीकरी बार्डर का नजारा अन्य दिनों के मुकाबले पूरी तरह अलग नजर आ रहा था। अभी तक टीकरी बार्डर का वह हिस्सा जहां किसानों की चहलकदमी नजर आती थी, वहां सन्नाटा पसरा है। वहीं दूसरी ओर जहां सीमित संख्या में पुलिसकर्मी नजर आते थे, वहां अब पहले से काफी अधिक तादाद में पुलिसकर्मी तैनात नजर आते हैं। अब बार्डर के उस पार जहां किसानों ने मुख्य मंच बनाया हुआ है, वहां शोर नहीं बल्कि सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं पुलिस वाले हिस्से में हर जगह ब्रीफिंग होती नजर आती है।

टीकरी बार्डर पर बृहस्पतिवार को किसानों की तादाद उनके डेरा डालने के बाद से अभी तक सबसे कम नजर आई। मुख्य मंच के पास सड़क किनारे कुछ दुकान खुले हैं। इन दुकानदारों का कहना है कि 26 जनवरी के दिन जो उपद्रव हुआ उसके बाद से यहां किसानों के समर्थन में जो लोग आते थे, वह अब नदारद है। पहले यहां हरियाणा व पंजाब के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ इनके समर्थन के लिए आते थे, जिससे यहां भीड़ नजर आती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। जो किसान यहां हैं, वे भी कब चले जाएं, यह कुछ नहीं पता। पहले यहां किसानों के लिए जगह-जगह भंडारे लगाए जाते थे, अब इनकी संख्या कुछ ही है। सड़क पर पहले तेज संगीत का शोर सुनाई देता था, वह अब पूरी तरह गायब है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 26 जनवरी की रात से ही यहां से किसानों ने जाना शुरू कर दिया है।

किसानों के यहां से निकलने का सिलसिला घड़ी की सूईयों के साथ साथ तेज हो रहा है। दूसरी ओर बार्डर के उस पार पुलिस वाले हिस्से की बात करें तो जबरदस्त घेराबंदी यहां नजर आती है। बैरीकेड के बिल्कुल सामने अब वाटर कैनन की गाड़ियां खड़ी कर दी गई हैं। पहले ये गाड़ियां बैरीकेड से दूर खड़ी थी। अब सुरक्षा का बहुस्तरीय घेरा बनाया गया है। कंक्रीट के ढांचे की दीवारों की कई स्तरीय घेराबंदी है।

पुलिसबल की तादाद की बात हो तो यहां अब 26 जनवरी से पहले के मुकाबले यहां करीब 15 कंपनियां तैनात हैं। इनमें सीमा सुरक्षा बल व एसएसबी के जवान भी शामिल हैं। महिला पुलिसकर्मियों की इसमें बड़ी तादाद है। ड्रोन कैमरे की मदद से पुलिस बार्डर के उस पार यानि किसानों वाले हिस्से में भीड़ का अनुमान लगा रही है।

## दंगे की साजिश रचने की आरोपित देवांगना और नताशा को जमानत देने से इन्कार

**नई दिल्ली।** दिल्ली दंगे की साजिश रचने के आरोप में गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार पिंजरा तोड़ संगठन की सदस्य देवांगना कलीता और नताशा नरवाल को बृहस्पतिवार को कोर्ट ने जमानत देने से इन्कार कर दिया।

दोनों के मामले में सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत की कोर्ट ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर साजिश के मामले में वीडियो फुटेज का न होना इतना अहम नहीं है, क्योंकि आमतौर इस तरह की साजिश गुप्त रूप से रची जाती हैं। संदेह के बजाय यह स्पष्ट है कि इस तरह की साजिश का कोई वीडियो नहीं होगा।

गत वर्ष फरवरी में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे के मामले में दायर एक आरोपपत्र में दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध करने जहांगीरपुरी से जाफराबाद पहुंची 300 महिलाओं को कथित तौर पर देवांगना कलीता ने हिंसा के लिए भड़काया था। ये महिलाएं अपने साथ हथियार, तेजाब के बोतलें और मिर्च पावडर लाई थीं। आरोपपत्र में यह दावा भी किया गया था कि देवांगना ने प्रदर्शन स्थल पर भड़काऊ भाषण दिया। इसके अलावा नताशा नवाल पर भी कई गंभीर आरोप लगे।

देवांगना कलीता की वकील तुषारिका मट्टू ने बताया कि उनकी मुव्वकिल और नताशा नरवाल की जमानत अर्जी कोर्ट ने खारिज कर दी है। बता दें कि इस दंगे में 53 लोगों की जान गई थी, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। वहीं, लाजपत नगर थानाक्षेत्र में युवती का मोबाइल लूटकर भाग रहे आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके अलावा दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन अन्य आरोपितों को भी लूट के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान राहुल उर्फ कौआ, रोहित उर्फ तन्नू, आमिर और राकेश उर्फ विकी के रूप में की गई है। आरोपितों से लूट के 13 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि 27 जनवरी को लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन से पैदल अपने घर जा रही एक युवती से झपटमार मोबाइल लूटकर भागने लगा। इस दौरान युवती के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने युवक को पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। मामले में पुलिस को सूचना देकर आरोपित युवक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं, दक्षिणी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने राकेश नाम के युवक को लूट के चार मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित पर इससे पहले भी लूट और चोरी के 18 मामले दर्ज हैं।

## जब चॉकलेट से होगा वजन कम तो फिर कैसा परहेज, एक महीने में 10 किलो तक होगा वेट लॉस

**नई दिल्ली।** कही वजन न बढ़ जाए... इस डर के चलते अधिकांश लोग चॉकलेट खाने से परहेज करते है। पर अब वजन बढ़ने की चिंता के चलते चॉकलेट को छोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। द्वारका सेक्टर-3 स्थित नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी) के कंप्यूटर साइंस विभाग के विद्यार्थी देवांश जैन (22) ने चोको, स्पिरुलिना, बादाम, किशमिश, म्यूसली के मिश्रण से एक ऐसी चॉकलेट तैयार की है, जिसका स्वाद हूबहू सामान्य चॉकलेट की तरह की है और ये वजन को घटाने के साथ मेटाबोलिज्म को बढ़ाने में काफी मदद करती है। एक महीने तक यदि व्यक्ति रोजाना एक चॉकलेट सुबह नाश्ते से पहले खाता है तो वह चार से आठ किलोग्राम वजन घटा सकता है। हालांकि, ये व्यक्ति के मेटाबोलिज्म पर भी निर्भर करता है, क्योंकि देवांश के मुताबिक कई लोगों ने एक माह के भीतर 10 से 15 किलोग्राम तक वजन कम किया है।

गुरुग्राम निवासी 130 किलोग्राम के देवांश बताते है कि अपने वजन को कम करने के लिए वे नियमित रूप से स्पिरुलिना और म्यूसली का सेवन करते थे। उससे उन्हें काफी फायदा हुआ और अब वे 78 किलोग्राम के हैं। स्पिरुलिना और म्यूसली के प्रभावी नतीजों को अनुभव करने के बाद उन्होंने इसे चाकलेट का रूप देने का विचार किया। इसके लिए उन्होंने बायोलाजी विभाग के विद्यार्थियों की मदद ली और लैब में लंबे समय तक कई प्रयोग के बाद 2018 में चाकलेट बना पाने में सफलता हासिल की। यहीं से देवांश के स्टार्टअप की शुरुआत हुई। इस दिशा में सर्वप्रथम उन्होंने ÷द हेल्दी कंपनी% बनाई और चाकलेट को ÷लीन बार% नाम दिया गया। इसके बाद चाकलेट को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण से मान्यता दिलाई। डीएसजी कंज्यूमर पार्टनर ने स्टार्टअप में निवेश किया, जिसके बाद फरीदाबाद में उसका उत्पादन शुरू किया गया। फिलहाल ये चाकलेट तमाम आनलाइन शापिंग प्लेटफार्म के साथ इवा नामक एपलिकेशन जो देवांश ने ही तैयार की है पर उपलब्ध है। इस एपलिकेशन को अब तक 50 हजार से भी ज्यादा लोग प्रयोग कर रहे है। कामन एडमिशन टेस्ट (कैट 2019) में भारत में पहला प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले देवांश के लिए ये एक बड़ी उपलब्धि थी। पर देवांश ने उस अवसर को भुनाने के बजाय अपने स्टार्टअप को बढ़ाने की दिशा में प्रयास को जारी रखने को अधिक महत्व दिया। स्पिरुलिना को सुपरफूड के नाम से भी जाना जाता है और ये सबसे अधिक पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ है। इसमें विटामिन, खनिज, प्रोटीन, पोटेशियम, कैल्शियम, जिंक पाया जाता है। इससे कोलेस्ट्राल की मात्रा को नियंत्रित किया जा सकता है। म्यूसली (ओट्स) अनाज, सूखे मेवे और ताजे फल का संतुलित मेल होता है। सुबह के लिए यह अपने आप में ही एक संपूर्ण नाश्ता है। इसमें चीनी और कैलोरी काफी कम होती है। स्वास्थ्यवर्धक चाकलेट होने के कारण लीन बार में चीनी का कम से कम प्रयोग किया गया है। पर इससे चाकलेट के स्वाद पर रत्तीभर भी प्रभाव नहीं पड़ता है। देवांश बताते हैं कि चाकलेट की खास बात ये है कि इसको खाने के बाद पूरे दिन पेट भरा-भरा महसूस होता है और सभी पोषक तत्व उनके शरीर को मिल जाते है। इसके सेवन के बाद लोग पूरे दिन में अपनी नियमित डाइट का सेवन कर सकते है। खास बात ये है कि चाकलेट में किसी कैमिकल का प्रयोग नहीं किया गया है, ऐसे में इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं है। लोग इसके सेवन को हमेशा के लिए जारी रख सकते है।

# ट्रैक्टर परेड हिंसा मामले में दिल्ली पुलिस ने लोगों से की अपील, साक्ष्य दें

**नई दिल्ली।** तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों की रद करने की मांग को लेकर सिंघु बॉर्डर और टीकरी बॉर्डर के साथ यूपी गेट पर भी शुक्रवार को किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। वहीं, दोपहर बाद किसानों की संख्या गाजीपुर बॉर्डर पर बढ़ने लगी है। ऐसे में एनएच -9 और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर किसान आंदोलन के चलते दिल्ली की ओर से सभी लेन बंद कर दी गई हैं। बताया जा रहा है कि शाम होते-होते यूपी गेट पर किसानों की संख्या में इजाफा हो सकता है। दिल्ली पुलिस की फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम और क्राइम ब्रांच के अधिकारी गाजीपुर बॉर्डर पर हिंसा मामले में जांच करने पहुंची है। यह टीम कई जगहों पर जाकर साक्ष्य जमा कर जांच करेगी। इधर दिल्ली पुलिस ने लोगों से कहा है कि ट्रैक्टर परेड में हिंसा मामले में जो भी साक्ष्य उपलब्ध हैं उन्हें पुलिस से शेयर करें। वहीं, दिल्ली से सटे नोएडा में भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने नरेश टिकैत को अपना नैतिक समर्थन दिया है। साथ ही कहा है कि किसान आंदोलन के लिए अगले आदेश का इंतजार करें। भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने पदाधिकारियों का कहना है कि उन्होंने चिल्ला बॉर्डर पर सिर्फ धरना खत्म किया है, आंदोलन से अलग नहीं हुए हैं। कभी भी संगठन की ओर से नया आदेश जारी हो सकता है। दिल्ली में बवाल के बाद छिजारसी टोल प्लाजा पर पुलिस की मुस्तैदी बढ़ा दी गई है। शुक्रवार को यूपी बार्डर की तरफ जा रहे किसानों को पुलिस द्वारा रोका गया और उनका नाम-पता रजिस्टर में अंकित करने के बाद उन्हें उनके गृह क्षेत्र में लौटा दिया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और किसान नेताओं के बीच कहासुनी भी हुई। सिंघु बॉर्डर पर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन व दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा को आंदोलन स्थल पर जाने से पुलिस ने रोक लिया है। इससे वहां पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है। वहीं, दिल्ली सरकार द्वारा पानी आपूर्ति करने पर राकेश टिकैत ने शुक्रिया अदा किया है। वहीं, यूपी गेट पहुंचे दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि सिख कौम कट्टर देशभक्त है और उसे बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पानी की सुविधा रात को ही उपलब्ध करवा दी गई थी।

## सिंघु बॉर्डर पर स्थानीय लोग व किसान भिड़े

### कई पुलिसकर्मियों पर तलवार से हमला

**नई दिल्ली।** तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद कराने की मांग को लेकर जारी प्रदर्शन के बीच सिंघु बॉर्डर पर शुक्रवार दोपहर में बड़ा बवाल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों और किसान प्रदर्शनकारियों में शुक्रवार को भिड़ंत हो गई। दोनों ओर के लोगों ने एक-दूसरे पर पथराव किया। सिंघू बॉर्डर पर स्थानीय लोगों व आंदोलनकारियों के बीच पथराव के चलते कई घायल हुए हैं, इनमें एक पुलिसकर्मी भी है। वहीं हालात को काबू में करने के लिए वहां तैनात पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े हैं और हल्का बल का प्रयोग भी किया है। इस पथराव में पुलिस सहित कई लोग घायल हो गए हैं। फिलहाल यहां पर माहौल बेहद तनावपूर्ण है। बताया जा रहा है कि पिछले 2 महीने से भी अधिक समय से किसानों के प्रदर्शन के चलते आसपास के ग्रामीणों में काफी रोष है। यहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सिंघु बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों से जगह खाली करवाने का विरोध कर रहे बॉर्डर के आसपास के गांव के लोग व आंदोलनकारी आपस में भिड़े, जिसके बाद हालात खराब होने लगे। इस दौरान दोनों ओर से पत्थरबाजी हुई। वहीं, पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। आंदोलनकारियों में कुछ उपद्रवी भी तलवार लेकर पहुंचे, जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया। सिंघु बॉर्डर पर बवाल के दौरान अलीपुर थाने में तैनात एसएचओ पर प्रदर्शनकारियों ने तलवार से हमला किया है। इसमें उनके हाथ पर तलवार लगी है, जिससे उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। शुक्रवार दोपहर सिंघु बॉर्डर पर कई गांवों के किसानों ने प्रदर्शन कर मांग की कि किसान यहां से जाएं। उन्होंने कहा कि किसानों के इस तरह से 2 महीने से भी अधिक समय से प्रदर्शन करने के चलते न केवल कारोबार प्रभावित हुआ है, बल्कि सैकड़ों लोग बेरोजगार तक हो चुके हैं।

# 26 जनवरी को हुई हिंसा को लेकर सामने आया पाकिस्तान का कनेक्शन

**नई दिल्ली।** गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी के दिन दिल्ली में हुए उपद्रव में आइएसआइ-खालिस्तान गठजोड़ का पता चला है। दोनों मिलकर न केवल इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लोगों को बरगला रहे हैं। बल्कि उपद्रव करने वालों को फंडिंग भी कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में हुआ उपद्रव भी इसी का नतीजा था। लिहाजा दिल्ली पुलिस की कोशिश है कि आइएसआइ-खालिस्तान गठजोड़ मौके का फायदा न उठा सके। इसके लिए पुलिस की स्पेशल सेल तमाम संदिग्धों पर नजर रख रही है। सेल के पुलिस अधिकारी पंजाब और कश्मीर के पुलिस अधिकारी से संपर्क में हैं। संदिग्ध और गैंगस्टरों पर नजर रखी जा रही है। किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली पुलिस को तीन सौ से ज्यादा ऐसे नए ट्विटर अकाउंट का पता चला था, जिनसे लगातार भड़काऊ पोस्ट किए जा रहे थे। इन सभी का संचालन फर्जी नाम व खाते के माध्यम से पकिस्तान से किया जा रहा था। जांच में यह भी बात सामने आई कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी खालिस्तान समर्थकों के साथ मिलकर साजिश रच रही थी।

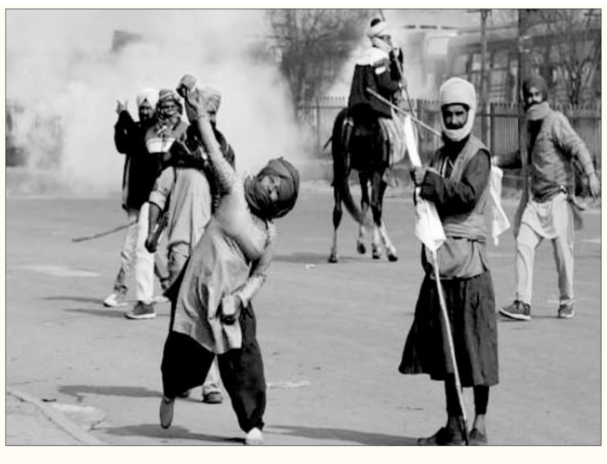

इसके बाद इन सभी खातों को बंद करा दिया गया था। बावजूद इसके स्पेशल सेल ने आनलाइन मीडिया पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक खालिस्तान समर्थित नेता पाकिस्तान की शह पर लगातार भारत में गड़बड़ी फैलाने में जुटे हुए हैं। उनके समर्थन से ही खालिस्तान समर्थक लोगों को गुमराह कर गणतंत्र दिवस के दिन लाल किले पर उपद्रव करवाने के बाद झंडा फहरवाने में सफल रहे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि खालिस्तानी नेता दोबारा से कट्टरपंथी उग्रवाद को पुनर्जीवित करने में जुटे हैं। इसके लिए आतंकी और गैंगस्टरों का सहारा लिया जा रहा है। खालिस्तानियों ने गणतंत्र दिवस पर लाल किले में खालिस्तानी झंडा फहराने पर लोगों को पुरस्कृत करने की भी घोषणा की थी। यही नहीं आइएसआइ उन्हें धन भी उपलब्ध करवा रहा है। यह धन अवैध हथियार और मादक पदार्थ की तस्करी से प्राप्त किया गया है। अपने निजी फायदे के लिए कुछ राजनीतिक संगठन भी पीछे के रास्ते उपद्रवियों को समर्थन दे रहे हैं। जांच में पंजाब के गैंगस्टर और खालिस्तानी कट्टरपंथियों के बीच पहली बार संबंध वर्ष 2016-17 में सामने आए थे। अधिकारी ने बताया कि गत महीने पुलिस ने पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद भी मिला था।

## इंद्रलोक इलाके में प्लास्टिक के खिलौने बनाने वाली यूनिट में लगी आग

**नई दिल्ली।** इंद्रलोक इलाके में स्थित प्लास्टिक के खिलौने बनाने वाली इकाई में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं, सूचना पर पहुंचीं दमकल की 15 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, शुक्रवार सुबह दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में प्लास्टिक के खिलौने बनाने यूनिट में आग लग गई। इसकी तत्काल सूचना मिलते ही दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने की वजहों का पता जांच के बाद चलेगा।

# दिल्ली के सीएम ने कहा- हिंसा से किसानों के मुद्दे खत्म नहीं हो गए, कृषि बिल किसान विरोधी

**नई दिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गणतंत्र दिवस पर किसानों द्वारा आयोजित ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा पर दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 26 जनवरी को जो कुछ हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण था और इसके लिए असल में जो जिम्मेदार हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसानों के मुद्दे आज भी बरकरार हैं, आप कार्यकर्ताओं को बिना झंडा, डंडा और टोपी के गैर राजनीतिक तरीके से किसानों का साथ देना है। केजरीवाल आम आदमी पार्टी की नवीं राष्ट्रीय परिषद की को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसानों पर एक के बाद एक फर्जी केस पर केस लगाए जा रहे हैं। उन्हें नहीं बल्कि जो भी लोग उसके लिए असल में जिम्मेदार हैं या जो भी पार्टी उसके लिए जिम्मेदार है, उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

लेकिन, उस दिन हुई हिंसा की वजह से किसानों के मुद्दे खत्म नहीं हो गए, जिन मुद्दों की वजह से किसान 60 दिन से बैठे हैं। यह आंदोलन खत्म नहीं हो सकता, उनके मुद्दे खत्म नहीं हो सकते। केजरीवाल ने कहा कि जिस देश का किसान दुखी हैं, वह देश कभी भी सुखी नहीं हो सकता। हम सब लोगों को मिलकर अपने-अपने इलाके में अहिंसक व शांतिपूर्वक किसानों का साथ देना है। केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं से अपील की कि जब भी किसानों का साथ देने जाओ, अपना झंडा, डंडा और टोपी घर पर ही छोड़कर जाना। हमें गैर राजनीतिक तरीके से अपना काम करना है। इस देश का आम नागरिक बन करके जाना है, वहां पर कोई राजनीति नहीं करनी है। केजरीवाल ने यह भी कहा कि आजकल हमारे देश का किसान बहुत दुखी है। 70 साल से सभी पार्टियों ने मिलकर किसानों को धोखा दिया। कभी कहते थे कि तुम्हारा लोन माफ करेंगे, किसी ने लोन माफ नहीं किया। कभी कहते थे, तुम्हारे बच्चों को नौकरी देंगे, किसी ने नौकरी नहीं दी। बताया जा रहा हैं? कि देश के अंदर पिछले 25 साल में 3.5 लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं।

किसी ने किसानों की सुध नहीं ली। अभी जो ये तीनों बिल आए हैं, यह तीनों बिल एक तरह से किसानों से उनकी खेती छीनकर इन 2-4 पूंजीपतियों को सौंप देंगे। अब किसान के लिए अस्तित्व का सवाल हो गया है। अब किसान सड़क पर नहीं उतरेगा, तो किसानी ही नहीं बचेगी और किसानी नहीं बचेगी, तो बेचारा किसान कहां जाएगा, वो अपने परिवार को कैसे पालेगा। मैं कई बार सोचता हूं कि इतनी ठंड के अंदर किसान कैसे बैठे हैं वो इसीलिए बैठे हैं, क्योंकि अगर वे नहीं बैठेंगे, तो उनका कुछ बचेगा ही नहीं।

## उपद्रवियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस के धैर्य और साहस को सलाम

**नई दिल्ली।** दिल्ली फार्मर प्रोटेस्ट वायलेंस जज्बे को सलाम। संयम को सलाम। राष्ट्र के प्रति समर्पण को सलाम। उन घायल 394 पुलिस के जवानों को कोटि कोटि प्रणाम, जिन्होंने राष्ट्र के मान और किसान के सम्मान को आत्मरक्षा से ऊपर रखा। राष्ट्र के समक्ष एक अनूठी मिसाल पेश की। अभी चंद दिनों पहले की ही बात है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा था कि आप सब ऐसा कार्य करें कि पुलिस विभाग सेवा संगठन बनकर उभरे। अब इससे बड़ी देश सेवा, समाज सेवा की मिसाल भला और क्या होगी कि तलवार, बंदूक, लाठी सब उनके सीने पर थी, फिर भी वर्दी चुप थी। संयम के साथ शांति का संदेश दे रही थी। किसानों का चोला पहने घूम रहे उपद्रवी पुलिसकर्मियों पर लाठी चला रहे थे। लाठी-डंडों से खाकी को ललकार रहे थे। ईंट-पत्थर चलाकर अपने उपद्रवी होने के सुबूत दे रहे थे। देश के लिए अन्न उगाने को जमीन तैयार करने वाले ट्रैक्टर जवानों को रौंदने पर उतारू थे। सड़कों पर स्टंट कर रहे थे। लेकिन वर्दी खामोश थी, राष्ट्र के मान में इस उपद्रव के घूंट पी रही थी। वर्दी ने तो यहां तक याद दिलाया मत भूलो भारत की माटी के अभिमान को, उसके दो ही तो बेटे, एक जवान और दूजा किसान। तभी तो कहलाया जय जवान, जय किसान। इन्हीं से ही तो भारत माता और माटी पुष्पित पल्लवित है। जिस तरह जवान देश की सीमाओं पर डटकर खड़े हो जाते हैं, पहले हमसे टकराना पर तुम्हें देश की चौखट में नहीं घुसने देंगे, देश की आन पर आंच नहीं आने देते। कुछ इसी तरह पुलिस वाले किसानों के वेश में छिपे उपद्रवियों से जय जवान जय किसान के नारे को बुलंद करते हुए कहते हैं, अगर तुम्हें ये भी नहीं याद रहा तो फिर हमारे ऊपर से ही गुजर कर जाना होगा। लाठी डंडे डोलने वाला जवान भी तो किसान का बेटा है, वो भला किसान पर कैसे आक्रामक होता। उसने तो उन असामाजिक तत्वों में भी अपने किसान भाई, चाचा, ताऊ को देखा, उन अपनों को देखा जिन्हें वो घर छोड़कर यहां फर्ज निभा रहा है, तभी उनके आगे शांति-संयम बनाए रखने के लिए हाथ जोड़कर बार-बार विनती करता रहा।

## कीर्तन कर महिलाओं को राम मंदिर निर्माण में समर्पण निधि देने के लिए किया जा रहा प्रेरित

**नई दिल्ली।** घोंडा विधानसभा में राम मंदिर निर्माण निधि में लोगों से योगदान लेने के लिए कीर्तन के माध्यम से जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। यमुना विहार, भजनपुरा आदि जगहों पर कीर्तन के माध्यम से माहौल को राममय किया जा रहा है। 31 तारीख तक घोंडा विधानसभा में घर घर में कीर्तन होंगे, जिससे लोगों में राम नाम का संचार हो। भाजपा की उत्तर पूर्वी जिला उपाध्यक्ष व यमुना विहार निवासी पूनम चौहान राम मंदिर निर्माण के लिए जन जागरुकता लाने के लिए घोंडा विधानसभा में लोगों के घर जा जाकर कीर्तन का आयोजन कर रही हैं। पूनम चौहान ने बताया कि वह घर घर जाकर भागवान श्रीराम के जयकारों के साथ महिलाओं को मंदिर निर्माण में योगदान करने के लिए प्रेरित कर रही हैं। कीर्तन कराने का उनका उद्देश्य है कि महिलाएं अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण में अपनी श्रद्धा से योगदान करें। ऐसा न हो कि राम भक्तों की टोली उनके द्वार पर आए और खाली हाथ लौट जाए। राम मंदिर निर्माण में हम सभी को योगदान देना चाहिए।

स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र यादव नई दिल्ली के गाजीपुर में कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन के दौरान संबोधित करते हुए।

# संपादकीय

## डाटा महाठगिनी हम जानी

वाट्सएप, फेसबुक, यू-ट्यूब, जी-मेल वगैरह हमें मुफ्त में मिलते हैं और प्ले स्टोर या एप स्टोर के जरिए हमारे मोबाइल फोन में आ विराजते हैं। हमारे यहां दान की बछिया के दांत न गिनने की परंपरा है, इसलिए इनकी खामियों या हमारे जीवन पर इनके अन्यथा असर को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। अगर ये सब आपको मुफ्त नहीं मिलते तो? तब आपको उसकी पूरी कीमत चुकानी पड़ती। यानी इनोवेशन, डेवलपमेंट और लगातार अपग्रेड की लागत, दुनिया के सबसे महंगे प्रबंधकों और कर्मचारियों की तनख्वाहें, आलीशान दफ्तरों और परिसरों के रखरखाव पर होने वाले खर्च, कंपनी के हरदम चलते रहने वाले सर्वरों पर व्यय होने वाली रकम, इसके अलावा अलाने-फलाने मदों में लगे ढेर सारे पैसे भी तब हमसे वसूले जाते। हमारी सरकारें भी इन पर जीएसटी वगैरह लगातीं। तब हो सकता है कि हमारे सारे एप की कुलजमा कीमत हमारे मोबाइल फोन से भी ज्यादा हो जाती।

जाहिर है, हम आज सुबह-शाम जिन एप का इस्तेमाल करते हैं, उनमें से बहुत सारे एप तब हमारे मोबाइल में नहीं होते। काफी सारे लोग या तो इतना खर्च वहन करने की स्थिति में नहीं होते, या उन्हें यह पैसे की बर्बादी लगता। किसी भी स्थिति में वे एप की कीमत को उससे मिलने वाली सुविधाओं से तौलते तो जरूर ही। मोबाइल सॉफ्टवेयर कंपनियां ये सब जानती हैं, इसलिए उन्होंने इसका दूसरा तरीका अपनाया है- तुम हमें अपनी जानकारियां दो, हम तुम्हें मुफ्त एप और उसकी सेवाएं देंगे। संचार की इस नई दुनिया का सारा अर्थशास्त्र हमारी इन जानकारियों, यानी डाटा के कारोबार पर टिका है, जैसे अखबार और टेलीविजन जैसे परंपरागत मीडिया का व्यवसाय विज्ञापनों पर। हम इसे सहर्ष स्वीकार करते हैं और बीच-बीच में ऋतु परिवर्तन की तरह निजता जैसे नैतिक मुद्दे भी उठते रहते हैं। नए साल की इन सर्दियों में वाट्सएप की निजता नीति में बदलाव हमारे 4-जी विमर्श को नई गरमी दे गया। वाट्सएप ने अगले महीने के दूसरे सप्ताह से लागू होने वाली जो नई निजता नीति की घोषणा की थी, उसमें आपकी बहुत सारी जानकारियां अपनी पैरेंट कंपनी फेसबुक के हवाले करने की बात थी। हालांकि, इसमें भी कुछ नया नहीं था। साल 2014 में जब फेसबुक ने वाट्सएप को खरीदा था, तब उसने यह कहा था कि दोनों कंपनियां डाटा शेयर नहीं करेंगी। लेकिन दो साल बाद ही यह वचन तोड़ दिया गया और पिछले चार साल से यह सब आराम से चल रहा है। इसमें नई चीज यह है कि अब इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है। अभी तक वाट्सएप आपसे बहुत सी जानकारियां नहीं लेता था, अब वह भी आपसे ले लेना चाहता है। बहुत से लोगों की चिंता इसलिए भी है कि वाट्सएप के जरिए बहुत से लोग पेमेंट भी करने लगे हैं। इसके अलावा, ऐसी व्यवस्था भी की जा रही है कि लोग वाट्सएप के जरिए खरीदारी भी कर सकें। लोगों को डर है कि अब उनके सारे लेन-देन और खरीद-फरोख्त की जानकारियां भी वाट्सएप से होती हुई फेसबुक के हवाले हो जाएंगी। यह पहली बार होगा, ऐसा भी नहीं है। गूगल पहले से यह कर रहा है, लेकिन उसकी बात हम बाद में करेंगे, फिलहाल एक और एप की बात। अमेजन के एप से आप ऑनलाइन खरीदारी भी कर सकते हैं, भुगतान भी कर सकते हैं और वह इस पर भी नजर रखता है कि आप इस समय हैं कहां? यानी वाट्सएप जो नया कर रहा है, वह तो पहले से ही हो रहा है।

फिर ऐसी कोई जानकारी नहीं है, जो गूगल आपसे इस या उस तरीके से न लेता हो। उसे पता होता है कि आप इस समय कहां हैं? उसे मालूम होता है कि आप कब कहां गए थे? उसे पता होता है कि आपने किन बिलों का भुगतान कर दिया, किनका अभी बाकी है और किस बैंक की किस्त इस बार आप नहीं चुका पाए? वह जानता है कि किसने आपको मेल भेजा, आपने किसको जवाब दिया और किसको नहीं? कई बार वह यह भी बता देता है कि आपको जवाब क्या देना है? आपकी ही नहीं, आपके पूरे परिवार की जन्मतिथि भी उसे पता है, उनके फोन नंबर और बैंक अकाउंट नंबर भी। आपके मर्ज और डॉक्टर की जानकारी भी उससे नहीं छिपी है। लोगों की जानकारियों के बदले उन्हें सेवा देने के कारोबार की बड़े पैमाने पर शुरुआत गूगल ने ही की थी और वही इस बाजार का अगुवा भी है। साल 2019 में उसने 161 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया था, जबकि फेसबुक का मुनाफा इसके आधे से भी कम, यानी 71 अरब डॉलर के करीब था। फेसबुक भी अब गूगल के रास्ते पर चलकर अपना मुनाफा बढ़ाना चाहता है, और इसके लिए आपसे वही सब जानकारियां मांग रहा है, जो आप खुशी-खुशी गूगल को देते रहे हैं।

लेकिन ऐसा क्या हो गया कि गूगल का गुड़ खाने वाले अचानक ही फेसबुक और वाट्सएप के गुलगुलों से परहेज करने लग गए? इसका जवाब फेसबुक कंपनी के चरित्र में है। फेसबुक एक ऐसी कंपनी है, जो अक्सर गलत कारणों से खबरों में रहती है। चाहे डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव से जुड़े विवाद हों या भारत में उसकी प्रतिनिधि आंखी दास से जुड़े विवाद। हर बार फेसबुक एक ऐसी कंपनी के रूप में सामने आती है, जिसे प्रबंधन की भाषा में 'बैडली मैनेज्ड' कंपनी कहा जाता है। निजता नीति के ताजा विवाद में भी यही दिखाई देता है। यह नीति तकरीबन सभी कंपनियां समय-समय पर बदलती रही हैं, लेकिन वाट्सएप ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उसमें एक तरह की धमकी निहित थी- आप सहमत नहीं हैं, तो आपका अकाउंट बंद! धमकी ने संदेह भी पैदा किए और उपयोगकर्ताओं को सिग्नल व टेलीग्राम जैसे प्रतिद्वंद्वियों की ओर धकेल दिया, यानी शब्दों ने खता की, साख ने सजा पाई। फिलहाल इसे टाल दिया गया है।

प्रवीण कुमार सिंह

# सभी वर्गों के लिए राहत लाने वाला हो बजट, किसान और बुजुर्ग की निगाहें टिकी

वित्त मंत्री को यह भी ध्यान रखना होगा कि वह राजकोष के मोर्चे पर देश को मजबूत बनाने के कदम उठाएं। साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का ध्यान उन लोगों को राहत पहुंचाने की ओर भी होना चाहिए जो कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट के चलते अब तक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। वित्त मंत्री के सामने आर्थिक वृद्धि के लिए राहत पैकेज देना और रोजगार बढ़ाना बड़ी प्राथमिकताएं होंगी। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवा, स्टार्टअप, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, कौशल आदि कई क्षेत्रों की बजट से अपेक्षाएं हैं।

कोरोना महामारी ने सरकार की ही नहीं, आम आदमी की भी बैलेंस शीट बिगाड़ी है। अर्थव्यवस्था पर इसका बहुत बुरा असर पड़ा है। ऐसे में सरकार और वित्त मंत्री से सबकी उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। लिहाजा सरकार बजट में आयकर को लेकर कई प्रकार की घोषणाएं कर सकती है। सरकार अगर बजट में टैक्स में राहत देती है तो इससे न सिर्फ वेतनभोगी वर्ग को बचत होगी, बल्कि बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी। वर्तमान में व्यक्तिगत करदाताओं के लिए आयकर छूट सीमा ढाई लाख रुपये सालाना है, जिस सीमा में वित्त वर्ष 2014-15 से कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। पिछले वर्ष बजट में वित्त मंत्री ने नया आयकर ढांचा पेश किया, जो वैकल्पिक था। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था में यह माना गया कि इसमें हायर स्लैब वालों को फायदा ज्यादा है। ऐसे में मौजूदा कर व्यवस्था के तहत मूल छूट सीमा बढ़ाई जा सकती है। इसके अलावा कोरोना वायरस से संक्रमण के चलते वित्तीय मोर्चे पर जूझ रहे लोगों को बजट से राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार बजट में कोविड के कारण अस्पताल में भर्ती होने पर खर्चों को टैक्स डिडक्शन के लिए मंजूरी दे सकती है। रियल एस्टेट कंपनियों ने भी घर की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकार से आगामी बजट में टैक्स छूट का दायरा बढ़ाने की मांग की है। साथ ही संगठन ने सुझाव दिया है कि होम लोन के भुगतान पर इनकम टैक्स कानून की धारा 80सी के तहत मिलने वाली टैक्स छूट की सीमा भी बढ़ाई जानी चाहिए।

देश में किसानों का आंदोलन जारी है। असंतुष्ट किसानों और केंद्र सरकार के बीच गतिरोध के बीच पुराने बजट अनुभवों के विपरीत इस बार बजट में वित्त मंत्री यह संदेश देने की कोशिश करेंगी कि मोदी सरकार किसानों की परवाह करती है। पिछले साल वित्त मंत्री ने कहा था कि

सरकार 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के अपने घोषित लक्ष्य पर अडिग है। कृषि क्षेत्र की समस्याएं बहुत गहरी हैं। एक अनुमान के अनुसार, मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान प्राप्त करीब तीन प्रतिशत वृद्धि की तुलना में आय को दोगुना करने के लिए 2022 के दौरान किसानों की वास्तविक आय में 15 फीसद प्रति वर्ष की वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। बजट में इस बार किसानों की कई अन्य उम्मीदें भी जुड़ी हुई हैं और उनकी कई मांगे हैं, मसलन पीएम किसान योजना के तहत दी जाने वाली राशि को बढ़ाया जाना चाहिए।

भारतीय रेलवे को बजट से काफी उम्मीदें हैं। यात्री सुविधाओं को और अधिक विकसित किए जाने की उम्मीद है। बजट में प्राइवेट ट्रेन, नई ट्रेन सेट्स के जरिये नए रूट पर तेज रफ्तार से सफर, पर्यटन स्थलों को बेहतर रेल संपर्क, सोलर पैनल आधारित ग्रीन एनर्जी पर फोकस, किसान रेल सेवा में विस्तार और पूवरेत्तर राज्यों में रेल संपर्क के लिए बुनियादी ढांचा विस्तार पर फोकस किया जा सकता है। पिछले वर्ष के बजट में वित्त मंत्री ने अगले तीन-चार वर्षो में 150 निजी ट्रेनों की शुरुआत करने की घोषणा की थी। बाद में रेलवे की ओर से भी कहा गया कि कुछ प्रमुख पर्यटन मार्गो पर तेजस एक्सप्रेस-शैली की ट्रेनों की शुरुआत की जाएगी।

भारतीय उद्योग परिसंघ ने वैश्विक व्यापार प्रवृत्तियों के अनुरूप घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को अपनी बजट पूर्व सिफारिशों के तहत अगले तीन साल के दौरान आयात शुल्क को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इसे वर्गीकृत करने का सुझाव दिया है। इसके तहत कच्चे माल के लिए ढाई फीसद तक शुल्क रखने का सुझाव दिया गया है।

भारत में ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। इसमें 22 फीसद की सालाना दर से बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि जीएसटी से जुड़ी जटिलताओं के चलते इसकी वृद्धि की राह में रुकावटें पैदा हो रही हैं। यही वजह है कि आगामी बजट में रेस्तरां और फूड डिलीवरी सेक्टर ने होम डिलीवरी पर जीएसटी (वस्तु व सेवा कर) की दर घटाकर पांच फीसद करने की मांग की है। फिलहाल फूड आइटम्स की डिलीवरी पर 18 फीसद जीएसटी लगता है। इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी दर को तार्किक बनाना जरूरी है। ग्राहक रेस्टोरेंट में जिस फूड आइटम पर पांच फीसद जीएसटी देते हैं, उसी की होम डिलीवरी पर 18 फीसद जीएसटी का भुगतान करना पड़ता है।

इसमें दो राय नहीं कि इस बार का बजट असाधारण परिस्थितियों में पेश किया जा रहा है। यह बजट अर्थव्यवस्था के संकुचन वाले दौर से गुजरने के बीच पेश किया जाएगा। कोरोना महामारी की वजह से पूरी दुनिया में आर्थिक संकट है और भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने भी कई चुनौतियां हैं। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर माइनस 23.9 फीसद रही। उसके बाद यह माइनस साढ़े सात फीसद रही थी। इसके चलते राजकोषीय घाटा (यानी सरकार की कमाई और खर्चे में अंतर) बहुत ज्यादा है। वित्त मंत्री को यह भी ध्यान रखना होगा कि वह राजकोष के मोर्चे पर देश को मजबूत बनाने के कदम उठाएं। साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का ध्यान उन लोगों को राहत पहुंचाने की ओर भी होना चाहिए जो कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट के चलते अब तक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। वित्त मंत्री के सामने आर्थिक वृद्धि के लिए राहत पैकेज देना और रोजगार बढ़ाना बड़ी प्राथमिकताएं होंगी। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवा, स्टार्टअप, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, कौशल आदि कई क्षेत्रों की बजट से अपेक्षाएं हैं। महामारी के अनुभव के बाद स्वास्थ्य सेवा में सार्वजनिक खर्च में दोगुनी राशि का आवंटन करना चाहिए। इस साल 50 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण करने के लिए टीकाकरण अभियान को भी युद्धस्तर पर चलाना होगा।

# किसी भी देश की मजबूती के लिए उसके नागरिकों का सशक्त होना आवश्यक

गणराज्य में राज्य की सर्वोच्च शक्ति जनता में निहित होती है तथा विधि की दृष्टि में सभी नागरिक बराबर होते हैं। भारतीय संविधान की उद्देशिका में भारत को गणतंत्र घोषित किया गया है, जिसका तात्पर्य है भारत का राष्ट्राध्यक्ष निर्वाचित होगा, न कि आनुवांशिक। कोई भी मसला चाहे वह जनता के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय से जुड़ा हो, समता की गारंटी हो या धर्म की स्वतंत्रता या फिर निचले वर्ग का उत्थान हो, इन सबका संदर्भ संविधान में निहित है, जो गांधी विचारधारा से ओत-प्रोत है। गांधी जी इस बात पर जोर देते थे कि हमारी सभ्यता इस बात में निहित है कि हम औरों के लिए कितने उदार और समान विचार रखते हैं। सदाचार, सत्य एवं अहिंसा, न्याय और निष्ठा एवं नैतिकता को गांधी अपने प्रयासों में हमेशा संजो कर रखते थे। इन्हीं की परिकल्पना सवरेदय बीते सौ वर्षो से आज भी प्रासंगिक है। यह इस निहित परिप्रेक्ष्य को भी समेटे हुए है कि कोई भी नीति या निर्णय तब तक उचित नहीं, जब तक अंतिम व्यक्ति का उदय न हो।

हम भारत के लोग इस बात का प्रकटीकरण हैं कि समता और दक्षता का संदर्भ सब में समान है। भेदभाव से परे संविधान नागरिकों की वह ताकत है जिससे स्वयं के जीवन और देश के प्रति आदर और समर्पण का भाव विकसित होता है। संविधान में निहित मूल अधिकार और लोक कल्याण से ओत-प्रोत नीति निर्देशक तत्व गांधी दर्शन का आईना हैं। अनुच्छेद 40 के भीतर पंचायती राज व्यवस्था मानो गांधी दर्शन का चरम हो।

गांधी दर्शन और सुशासन एक-दूसरे के पर्याय हैं, जबकि गणतंत्र इसे कहीं अधिक ताकतवर बना देता है। सामाजिक-आर्थिक उन्नयन के मामले में सरकारें खुली किताब की तरह रहें, इसका प्रकटीकरण भी उपरोक्त संदर्भो में युक्त है। बावजूद इसके राजनीतिक पहलुओं से जकड़ी सरकारें गणतंत्र की कसौटी पर कितनी खरी हैं, यह प्रश्न कमोबेश उठता जरूर है। लोकतंत्र में जनता के अधिकारों को अक्षुण्ण बनाए रखना सरकार का पहला कर्तव्य है। ऐसा संविधान के भीतर पड़ताल करके भी देखा जा सकता है। गणतंत्र की पराकाष्ठा जनता की भलाई में है। सरकार कितनी भी ताकतवर हो, यदि जनता कमजोर हुई तो गांधी दर्शन और गणतंत्र दोनों पर भारी चोट होगी। शासन कितना भी मजबूत हो, यह इस बात का प्रमाण नहीं कि इससे देश मजबूत है, बल्कि मजबूती इस बात में हो कि जनता कितनी सशक्त है। यह परिकल्पना सुशासन की दीर्घा में आती है। सुशासन एक लोक प्रवर्धित अवधारणा है, जो लोक सशक्तीकरण का पर्याय है।

संविधान एक ऐसी नियम संहिता है, जो दीन-हीन या अभिजात्य समेत किसी भी वर्ग के लिए न तो भेदभाव की इजाजत देता है और न ही किसी को कमतर अवसर देता है। सात दशक से अधिक वक्त बीत चुका है, कई सरकारें आईं और गईं, मगर गणतंत्र, गांधी दर्शन और सुशासन की प्रासंगिकता बरकरार रही। वैसे देखा जाए तो गणतंत्र के कई और मायने हैं, मसलन देश के अलग-अलग हिस्सों के न केवल संस्कृतियों का यहां प्रदर्शन होता है, बल्कि सभी सेनाओं की टुकड़ियां अपनी ताकत से देश की आन-बान-शान को एक नया आसमान देती हैं। मित्र देशों को भारत अपने परिवर्तन से परिचित कराता है, तो दुश्मन देशों को अपनी ताकत का अहसास कराता है।

गणतंत्र दिवस वह अवसर है जहां से कई प्रकाश पुंज निकलते हैं। भारत एक उभरती हुई ताकत है, अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी और दुनिया में द्विपक्षीय से लेकर बहुपक्षीय संबंधों के रूप में भी देखा जा सकता है। समय के साथ गणतंत्र और संविधान दोनों की प्रमुखता और प्रासंगिकता बढ़ते हुए क्रम में देखी जा सकती है। वर्ष 1950 में पहली बार गणतंत्र दिवस मनाने का अवसर मिला था और तब मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकार्णो थे, जबकि 2021 में इस पावन अवसर पर कोरोना के चलते मुख्य अतिथि की अनुपस्थिति रहेगी। हालांकि इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन आमंत्रित थे, पर काल और परिस्थिति उपस्थिति में बाधा बन गई।

यह गणतंत्र और संविधान की ही देन है कि हमारे यहां राष्ट्रपति से लेकर ग्राम सभा तक का चुनाव होता है। गणतंत्र हमारी विरासत है। प्राचीन काल में गणों का उल्लेख मिलता है और मौजूदा समय में इसका लंबा इतिहास। गांधी दर्शन को देखें तो नैतिकता और सदाचार के जो मापदंड उन्होंने कायम किए उनसे शाश्वत सिद्धांतों के प्रति उनकी वचनबद्धता और निष्ठा का पता चलता है। गांधी दर्शन को यदि गणतंत्र से जोड़ा जाए तो यहां भी शांति और शीतलता का अहसास स्वाभाविक है। संविधान नागरिकों के सुखों का भंडार है और गणतंत्र इसका गवाह है। गांधी ने सवरेदय के माध्यम से प्रस्तावना में निहित उन तमाम मापदंडों को संजोने का काम किया जिसका मौजूदा समय में जनमानस को लाभ मिल रहा है। हम भारत के लोग संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतंत्रत्मक गणराज्य बनाने की अवधारणा को आत्मसात करने वाला संविधान एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें गांधी विचारधारा का भी समावेश देखा जा सकता है। स्वतंत्रता व समता व्यक्ति की गरिमा, बंधुता से लेकर राष्ट्र की एकता-अखंडता सब कुछ संविधान की उद्देशिका में निहित है और उक्त संदर्भ गांधी दर्शन के कहीं अधिक समीप है।

# अदालत से ही उम्मीद, यौन उत्पीड़न पर घटती संवेदना

राहत की बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के उस फैसले पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज) एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न के लिए स्किन टु स्किन टच जरूरी है, ऐसा सिद्ध न होने की स्थिति में मामले को छेड़खानी ही समझा जाए। 19 जनवरी को हाईकोर्ट का यह फैसला आने के बाद से ही इस पर बहस शुरू हो गई थी। मामला 12 साल की एक बच्ची के यौन उत्पीड़न से जुड़ा है। सेशन कोर्ट ने 39 साल के बांडू रगड़े को पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी मानते हुए तीन साल कैद की सजा सुनाई थी।

मगर हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि कपड़ा उतारने की कोशिश सफल नहीं हुई और लड़की के प्राइवेट पार्ट से स्किन टु स्किन टच नहीं हुआ, इसलिए इसे पॉक्सो के तहत यौन उत्पीड़न नहीं माना जा सकता। इस फैसले के बाद यह सवाल उठ गया कि क्या बाल यौन उत्पीड़न के मामलों में टच की यह नई परिभाषा पॉक्सो एक्ट के तहत बच्चों को मिली सुरक्षा को कमजोर नहीं करती। यह देखना दिलचस्प है कि दिसंबर 2012 में निर्भया की मृत्यु का कारण बने बलात्कार के बाद देश में यौन उत्पीड़न विरोधी चेतना का जो उभार दिखा था, वह टिका तो नहीं ही रह सका, उलटे पिछले कुछ सालों से भारतीय समाज के और पीछे जाने का रुझान दिख रहा है।

हालांकि 2013-14 तक यह चेतना इतनी प्रभावी थी कि यौन उत्पीड़न संबंधी कानूनों में तेजी से सुधार करते हुए इसके दायरे को काफी व्यापक बनाना संभव हो गया था। तरुण तेजपाल और आसाराम बापू जैसे मामलों में जिस तरह की ठोस कार्रवाई हुई, उसके पीछे इस चेतना की साफ भूमिका देखी जा सकती थी। इसका दबाव 2014 में लोकसभा चुनावों पर भी दिखा, जिसमें 'बहुत हुआ नारी पर वारज' जैसे नारे प्रमुखता से चले। मगर इसके बाद सोच की यह सक्रियता कुंद पड़ने लगी, जिसका नतीजा कठुआ, उन्नाव और हाथरस गैंगरेप जैसी घटनाओं में पुलिस प्रशासन के ढुलमुल रवैये के रूप में देखने को मिला।

कठुआ मामले को तो इस मायने में भी ऐतिहासिक कहना होगा कि पहली बार वहां बाकायदा एक फ्रंट बनाकर आरोपियों के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की गई। राजनीति आम तौर पर परदे के पीछे से जो काम करती है, इस खास मामले में वह खुले रूप में कर रही थी। बहरहाल, भारतीय राजनीति से अब किसी सकारात्मक जीवन मूल्य के पक्ष में खड़े होने की उम्मीद भी नहीं की जाती। वह किसी भी मुद्दे या मूल्य को अपनी सुविधा के तर्क से ही अपनाती या छोड़ती है।

पुलिस और प्रशासन राजनीति के ही इशारों पर चलता है इसलिए उधर से भी रोशनी की कोई किरण अपवाद स्वरूप ही दिखती है। ऐसे में उम्मीद का कोई कोना अगर बचता है तो वह न्यायपालिका ही है। यौन उत्पीड़न के मामलों में इस कोने को देर तक बचाए रखने की सचेत कोशिशें सुप्रीम कोर्ट से ही अपेक्षित हैं।

# गणतंत्र दिवस पर दिल्ली की सड़कों पर किसान नेताओं द्वारा ट्रैक्टर रैली की आड़ में अराजकता का नंगा नाच

उसके बाद नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ और अब कृषि कानूनों के खिलाफ। किसान आंदोलन में ऐसे आदतन आंदोलनकारियों की अच्छी-खासी भागीदारी है। दिल्ली की सड़कों पर डेरा डाले और किसान हित के बहाने दिल्ली-एनसीआर वालों की नाक में दम करने वाले ऐसे किसान नेता अपने समर्थकों की हर अराजक गतिविधि पर आंखें मूंदे रहे-वह चाहे पंजाब में डेढ़ हजार मोबाइल टावर क्षतिग्रस्त करना हो या हरियाणा में मुख्यमंत्री खट्टर की सभा में तोड़फोड़ करना।

दिल्ली पुलिस और सरकार का पता नहीं, लेकिन किसान नेताओं के अड़ियल रवैये और गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर रैली निकालने की जिद को देखते हुए कोई भी यह समझ सकता था कि इस दिन देश की राजधानी अराजकता का शिकार हो सकती है। दुर्भाग्य से ऐसा ही हुआ। इसके संकेत उसी दिन मिल गए थे, जिस दिन किसान नेता राकेश टिकैत मीडिया वालों के सामने कह रहे थे, 'किसी के बाप की जागीर नहीं है गणतंत्र दिवस। गणतंत्र दिवस हिंदुस्तान का किसान मनाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी परेड मनेगी। दिल्ली खबरदार, जो ट्रैक्टर को रोका। उसका इलाज कर देंगे, जो ट्रैक्टर को रोकेगा। उनके बक्कल उतार देंगे, जो ट्रैक्टर रोकेगा। कौन रोकेगा ट्रैक्टर को...।' यह धमकी वह पूरे ठसक के साथ दे रहे थे। इस धमकी भरे बयान का वीडियो खुद उनके नाम वाले हैंडल से ट्वीट किया गया, जिसमें लिखा था-सामने पहाड़ हो, सिंह की दहाड़ हो।

जिन्हें यह समझ न आया हो कि इलाज कर देंगे, बक्कल उतार देंगे का क्या मतलब होता है, उन्हें गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली की सड़कों पर अराजकता के नंगे नाच से अवश्य समझ आ गया होगा कि राकेश टिकैत क्या कहना और करना चाह रहे थे? वास्तव में यह पहले दिन से तय था कि किसान आंदोलन का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को इंगित करना और उन्हें सुलझाना नहीं, बल्कि मोदी सरकार को नीचा दिखाना है। किसान नेता केवल इसमें ही सफल नहीं हुए। उन्होंने देश को भी नीचा दिखाया और वह भी

गणतंत्र दिवस के दिन ठीक उस समय जब देश 26 जनवरी पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रम देख ही रहा था।

ट्रैक्टर रैली की आड़ में दिल्ली में गुंडागर्दी कराकर किसान नेताओं ने केवल राष्ट्र का मस्तक ही नहीं झुकाया, बल्कि आम किसानों के प्रति लोगों की सहानुभूति को भी तार-तार करने का काम किया। यह कहने में संकोच नहीं कि उन्होंने किसानों को दंगाइयों में तब्दील कर दिया। देश इसे कभी न तो माफ करेगा और न ही भूलेगा, क्योंकि उन्होंने जानते-बूझते हुए गणतंत्र दिवस से गद्दारी की है। बात केवल राकेश टिकैत की ही नहीं है। अन्य तथाकथित किसान नेताओं के भी तेवर टकराव को बढ़ाने वाले ही थे। ट्रैक्टर रैली को लेकर दिल्ली पुलिस से सहमति बन जाने और रैली का रूट तय हो जाने के बाद भी किसान नेता अक्षरधाम मंदिर तक रैली ले जाने पर आमादा थे। किसान नेताओं की इस तरह की बातें नितांत फर्जी और दिखावा थीं कि देश का किसान देश के जवानों की तरह गणतंत्र दिवस मनाना चाहता है और हम उसकी गरिमा का पूरा ध्यान रखेंगे। अब यह और साफ है कि ऐसी चिकनी-चुपड़ी बातें दिल्ली पुलिस और दिल्ली-एनसीआर की जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए की जा रही थीं। दिल्ली पुलिस को इसका आभास होना चाहिए था कि उसके साथ विश्वासघात हो सकता है और किसान नेता जो भी वादे कर रहे, उन्हें तोड़कर दिल्ली में उपद्रव करा सकते हैं। यह ठीक नहीं कि करीब एक साल पहले दिल्ली अमेरिकी राष्ट्रपति के आगमन पर भीषण दंगों का शिकार हुई और अब गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश को शर्मसार करने वाली अराजकता से दो-चार हुई।

गणतंत्र दिवस मनाने के नाम पर निकाली गई ट्रैक्टर रैली का मकसद वह था ही नहीं, जो किसान नेताओं की ओर से बताया जा रहा था। यदि किसान नेताओं में गणतंत्र दिवस के प्रति तनिक भी आदर और सम्मान होता तो कम से कम इस दिन जोर जबरदस्ती का सहारा लेकर ट्रैक्टर रैली निकालने की जिद नहीं की जाती। यह जिद इसीलिए की गई, क्योंकि किसान नेता दिल्ली और देश के सामने अपनी ताकत का बेजा प्रदर्शन करना चाह रहे थे। इसी कारण उन्होंने ट्रैक्टर रैली की अनुमति मिलते ही एक फरवरी को संसद मार्च का एलान कर दिया। इस एलान को आपत्तिजनक नहीं कहा जा सकता, लेकिन जब बजट वाले दिन संसद कूच को लेकर सवाल उठे तो टीवी चैनल पर मौजूद एक किसान नेता ने कहा कि हम देखेंगे कि बजट में हमारे लिए क्या है और जो नया संसद भवन बनने जा रहा है, उसमें किसानों के लिए भी कुछ बन रहा है या नहीं? एक और किसान नेता हैं योगेंद्र यादव। किसान नेता का रूप उन्होंने अभी हाल में धारण किया है। एक साल पहले वह जेएनयू में फीस वृद्धि के खिलाफ सड़कों पर थे। उसके बाद नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ और अब कृषि कानूनों के खिलाफ। किसान आंदोलन में ऐसे आदतन आंदोलनकारियों की अच्छी-खासी भागीदारी है। दिल्ली की सड़कों पर डेरा डाले और किसान हित के बहाने दिल्ली-एनसीआर वालों की नाक में दम करने वाले ऐसे किसान नेता अपने समर्थकों की हर अराजक गतिविधि पर आंखें मूंदे रहे-वह चाहे पंजाब में डेढ़ हजार मोबाइल टावर क्षतिग्रस्त करना हो या हरियाणा में मुख्यमंत्री खट्टर की सभा में तोड़फोड़ करना। मीडिया का एक हिस्सा भी किसान आंदोलन के नाम पर हो रही अराजकता की अनदेखी करता रहा। वह उस अतिवाद की भी पैरवी करता रहा, जो किसान नेता सरकार और सुप्रीम कोर्ट की नरमी के बाद भी दिखा रहे थे। किसान प्रेम में पुलकित मीडिया का यह हिस्सा इसकी भी खुशी-खुशी उपेक्षा करता रहा कि किसान नेता किस तरह किसानों की दीनदशा का हवाला दे रहे और सैकड़ों किलोमीटर दूर से हजारों ट्रैक्टर दिल्ली भी बुला रहे। क्या इन हजारों ट्रैक्टरों को दिल्ली लाने-ले जाने में डीजल खर्च के रूप में करोड़ों रुपये स्वाहा कर यह साबित करने की कोशिश की गई कि पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश का किसान भी गरीब है? सवाल यह भी है कि भारत का किसान इतना फुरसत वाला कब हो गया कि अपना काम-धंधा छोड़कर दो महीने तक दिल्ली में डेरा डाले रहे?

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

## संक्षिप्त खबर

### चीखती रही छात्र, हंसते रहे आरोपित, थानेदार बोले– मानसिक रूप से कमजोर है किशोरी

**बरेली ।** बरेली के मीरगंज में सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हुई सातवीं कक्षा की छात्रा घटना को बयां करते हुए रो पड़ती है। वह बचने के लिए चीखती रही, मगर आरोपित हंसते रहे। उसने हाथापाई कर भागने की कोशिश की तो दोनों ने पिटाई भी की। इसके बाद एक आरोपित ने अपने हाथ से उसका मुंह दबा दिया। दम घुटने लगा तो छात्र बेबस हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित धमकी दे गए कि यदि किसी को बताया तो गोली मार देंगे। बदहवास छात्र करीब 10 मिनट तक वहीं पड़ी रही। इसके बाद किसी तरह उठी और घर पहुंची। उसके चेहरे पर दहशत थी। भाई ने हालत देखकर पूछा, मगर उसने कुछ नहीं बताया और चुपचाप कमरे में चली गई। बाद में मां, पिता पहुंचे, तब भी वह कमरे में ही बैठी रही। उसके चेहरे पर खौफ देख मा-पिता ने बार-बार वजह पूछी तो रो पड़ी। इसके बाद पूरी घटनाक्रम बताया।

**थानेदार बोले– मानसिक रूप से कमजोर है किशोरी –** किशोरी कक्षा सात में पढ़ती है। रात में स्वजन जब शिकायत करने पहुंचे तो थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने पीड़िता से पूछताछ की। घटना के कारण वह इतनी दहशत में आ गई कि ठीक से बोल तक नहीं सकी। टुकड़ों में वह पूरा घटनाक्रम बता सकी। थाना प्रभारी ने इसी का सहारा लेकर मामला निपटाने में कसर नहीं छोड़ी। उसे मानसिक मंदित तक बता दिया। कहा कि वह ठीक से बोल नहीं पा रही थी। रात में ही आला अधिकारियों तक मामला पहुंचा तब मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की गई। बाद में थाना प्रभारी कहने लगे कि किशोरी ठीक से बोल नहीं पा रही थी, मगर आरोपितों ने दुष्कर्म की बात स्वीकार की है। किशोरी के स्वजन का कहना है कि वह मंदित नहीं, समझने की क्षमता थोड़ी कम है।

### किसानों के आंदोलन तथा पंचायत को लेकर अलर्ट पर यूपी सरकार, पड़ोसी राज्यों के बॉर्डर सील

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश तथा दिल्ली गाजीपुर बॉर्डर के साथ ही किसान प्रदेश मे आंदोलन के बड़े गढ़ माने जाने वाले मुजफ्फरनगर में किसान नेताओं की गतिविधियों को लेकर उत्तर प्रदेश को अन्य राज्यों को जोडऩे वाले जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है। प्रदेश के आगरा, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मथुरा व बागपत में विशेष सावधानी बरती जा रही है। गाजीपुर बार्डर पर चल रहे आंदोलन में शामिल होने जा रहे किसानों को रोकने के लिए मथुरा में शुक्रवार सुबह यमुना एक्सप्रेस वे पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। मांट टोल प्लाजा पर नोएडा की ओर जाने वाले हर वाहन की तलाशी ली गयी। पुलिस को यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते किसानों के गाजीपुर बार्डर जाने की जानकारी मिली थी। कई थानों की पुलिस के साथ पीएसी भी तैनात कर दी गई। किसानों के यहां पर थानों का घेराव करने की आशंका पर बड़ी संख्या में पीएसी थानों पर तैनात कर दी गई है।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के गुरुवार को आंसू गिरने के बाद गाजियाबाद के गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों की संख्या बढ़ती ही जा रही। यहां पर हरियाणा के किसानों को आने से रोकने के लिए बागपत तथा सहारनपुर बॉर्डर पर विशेष निगरानी की जा रही है। मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को नरेश टिकैत ने किसान महापंचायत बुलाई है। इसमें पास के जिलों से भी किसान पहुंच रहे हैं। पड़ोसी राज्यों ने भी यहां पर किसान के पहुंचने की आशंका में पुलिस मुस्तैद है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई बॉर्डर को सील कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस की टीमें किसानों को उनके जिलों में ही रोकने में लगी हैं। किसानों को रोकने के लिए हाईवे सील कर दिया गया है।

### जालंधर के गुरुद्वारा 6वीं पातशाही में कीर्तन दरबार में उमड़ी संगत, रागी जत्थे ने शब्द गायन से किया निहाल

**जालंधर ।** केंद्र सरकार द्वारा पारित किए गए कृषि सुधार कानून के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन तथा विश्व शांति को लेकर ऐतिहासिक स्थान गुरुद्वारा 6वीं पातशाही में कीर्तन दरबार का आयोजन हुआ। जिसका आगाज श्री गुरु ग्रंथ साहिब की इलाही बाणी के साथ किया गया। इसके उपरांत गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी भाई दलेर सिंह व श्री दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई साहिब सतविंदर सिंह ने शब्द गायन के साथ संगत को निहाल किया। हेड ग्रंथी ज्ञानी जगसीर सिंह ने कथा के माध्यम से आपसी भाईचारे को मजबूत करने को प्रेरित किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वरिष्ठ उप प्रधान अमरीक सिंह ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में किसान भाईचारे के साथ हर नागरिक सहयोग के लिए खड़ा है। उन्होंने कहा कि वाहे गुरु की कृपा से किसानों को इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

इस अवसर पर प्रबंधक कमेटी की तरफ से रागी जत्थे के सदस्यों को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। अरदास के उपरांत गुरु का अटूट लंगर वितरित हुआ। गुरदीप सिंह के दाने समागम में बेहतर सिम आएगी। इस मौके पर दविंदर सिंह रहेजा महासचिव गुरमीत सिंह कैशियर जगजीत सिंह सचिव इंद्रपाल सिंह जसवीर सिंह सेठी इंद्रपाल सिंह अरोड़ा हरबंस सिंह सतपाल सिंह अलग मौजूद थे।

### बसपा पंजाब ने किसानों के समर्थन में राष्ट्रपति के अभिभाषण का किया बायकाट

**जालंधर ।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तरफ से किसानों के समर्थन में संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण का बायकाट किया गया है। बसपा पंजाब के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि बसपा सुप्रीमो मायावती की तरफ से ट्वीट किया गया है कि बसपा देश में आंदोलन कर रहे किसानों के तीन विवादित कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग केंद्र की तरफ से नहीं मानने एवं जनहित के मामलों में भी लगातार ढिलमुल रवैया अपनाने के विरोध में राष्ट्रपति के संसद में होने वाले अभिभाषण का बायकाट करेगी। मायावती की तरफ से कृषि कानूनों को वापस लेकर दिल्ली में स्थिति सामान्य बनाने का अनुरोध भी किया गया है तथा यह भी कहा गया है कि गणतंत्र दिवस के दिन हुए दंगों की आड़ में निर्दोष किसान नेताओं को बलि का बकरा न बनाया जाए। जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा कि बसपा के 15 सांसदों ने राष्ट्रपति के अभिभाषण का बायकाट किया है। इससे पहले बसपा पंजाब की तरफ से जालंधर में गायकों एवं गीतकारों की बैठक के दौरान किसानों की ट्रैक्टर परेड का समर्थन करने की घोषणा भी की गई थी।

### देहरादून में सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंचा पारा

**देहरादून ।** उत्तराखंड इन दिनों शीतलहर की चपेट में है। दिनभर बर्फीली हवाओं ने धूप के गुनगुनेपन का एहसास नहीं होने दिया। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर को छोड़कर ज्यादातर शहरों में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से कम रहा। वहीं, अल्मोड़ा और नैनीताल में पारा शून्य से नीचे पहुंच गया। जबकि, दून में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री नीचे है। दिन और रात के तापमान में खासा अंतर बना हुआ है। प्रदेश में माह की शुरुआत में पहाड़ों में हिमपात और बारिश हुई थी। तब से मौसम साफ है। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, आने वाले दिनों में भी मौसम में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। इस बीच तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहेगा।

धर्मनगरी और आसपास क्षेत्रों में शीतलहर का प्रकोप जारी है। पारा लगातार गोते लगा रहा है। बुधवार को पारे ने पिछले कई साल के रेकार्ड तोड़ दिए। वहीं गुरुवार को कुछ देर के लिए सूर्यदेव के प्रकट होने से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में आधा डिग्री का उछाल आया। ठंड से राहत पाने को जगह-जगह लोग अलाव सेकते दिखे। मकर संक्रांति के बाद भी ठंड से राहत मिलती नहीं दिख रही है। बीते तीन दिन से शीतलहर ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है। हाड़ कंपाने वाली ठंड से इंसान तो इंसान बेजबान भी परेशान हैं। बेघर और गरीबों पर ठंड की मार ज्यादा पड़ रही है। ठंड से बचाव को लोग घरों में दुबके हैं। हाईवे और संपर्क मार्गों पर भी वाहनों की अपेक्षित आवाजाही नहीं देखी जा रही है। बाजारों में भी खरीदार कम हो गए हैं। बुधवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान जहां 12 और एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं गुरुवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश- 12.5 और 1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# किसान महापंचायत में पहुंचे कैराना विधायक नाहिद हसन, रालोद नेता जयंत चौधरी तथा आप के यूपी प्रभारी संजय सिंह भी पहुंचेंगे

**मुजफ्फरनगर ।** दिल्ली हिंसा के बाद गाजीपुर बार्डर पर धरना दे रहे भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने व धरनास्थल से न हटने की घोषणा के साथ ही भावुक होने के बाद भाकियू का रुख बदल गया है। गुरुवार को दिन में धरना खत्म कराने की बात कहने वाले भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने आज मुजफ्फरनगर के जीआइसी मैदान में महापंचायत बुलाई है। पंचायत शुरू हो चुकी है जिसमें किसानों को आना अभी भी जारी है।

गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों के साथ धरना पर बैठे भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत से भेंट करने के बाद अब बड़े नेता मुजफ्फरनगर में होने वाली किसान महापंचायत में भी शामिल होंगे। पूर्व सांसद तथा राष्ट्रीय लोकदल के उपाध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ ही आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी नरेश टिकैत की महापंचायत में शामिल होंगे। संजय सिंह को आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश का सीएम कैंडीडेट घोषित कर रखा है।

घने कोहरे के बीच सुबह 10-30 बजे से किसान मैदान में पहुंचना शुरू हो गए हैं। वहीं पुलिस प्रशासन ने कड़े बंदोबस्त किए हैं। मुख्य मार्गों पर कड़ी निगरानी की जा रही है। चौधरी नरेश टिकैत किसानों के साथ सिसौली से शहर की ओर रवाना होंगे। इस महापंचायत पर सभी की नगिाहें लगी हैं। माना जा रहा है कि नरेश टिकैत कोई बड़ा एलान कर सकते हैं। महापंचायत में बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंच रही हैं।

पुलिस प्रशासन ने कड़े बंदोबस्त किए हैं। मैदान को छावनी में तब्दील किया गया है। मुख्य मार्गों पर कड़ी निगरानी की जा रही है।रालोद के राष्ट्रीय महासचवि जयंत चौधरी के आने की भी चर्चा हैं। महापंचायत को लेकर खुफिया तंत्र भी सक्रिय हो गया है। सुबह उच्चाधिकारियों ने चौधरी नरेश टिकैत से फोन पर बातचीत की। आइबी के दो अधिकारी सिसौली में चौधरी नरेश टिकैत से मिले और बातचीत की।

महापंचायत में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होंगी। महिलाओं ने रवाना होने से पहले सिसौली स्थित किसान भवन पर पहुंचकर बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की समाधि पर पहुंचकर नमन किया। संकल्प लिया कि किसानों की इस लड़ाई में वह भी बराबर की भागीदार रहेंगी।महापंचायत में रालोद से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के पहुंचने की उम्मीद है। वहीं जयंत चौधरी के आने की भी संभावना जताई जा रही है। महापंचायत को लेकर खुफिया तंत्र भी सक्रिय हो गया है। सुबह के समय उच्चाधिकारियों ने चौधरी नरेश टिकैत से फोन पर बातचीत की। आईबी के दो अधिकारी सिसौली में चौधरी नरेश टिकैत से मिले और बातचीत की।

कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली- के गाजीपुर बार्डर पर चल रहे धरने को लेकर राजनीति तेज हो गई है। रातभर गहमागहमी का दौर जारी रहा। आज शक्रवार को मुजफ्फरनगर में नरेश टिकैत ने पंचायत का आयोजन किया है।इसी में आगे रणनीति पर विचार किया जाएगा। शुक्रवार को भी गाजीपुर में किसानों धरना जारी है। प्रशासन भी पसोपेश में है।

11 बजे बुलाई गई पंचायत में बड़ी संख्या में किसानों के पहुंचने की संभावना है। आज गाजीपुर में प्रशासन के साथ किसानों की वार्ता भी हो सकती है। वहीं राकेश टिकैत भी धरना जारी रखने पर अडिग हैं। किसानों की पंचायत को देखते हुए प्रशासन ने भी कमर कस ली है।

इसके पूर्व गुरुवार को दिन में गाजीपुर बार्डर से धरना उठाने की बात कहने वाले चौधरी नरेश टिकैत ने रात को फिर से किसान पंचायत बुलाई और एलान किया कि शुक्रवार को जीआइसी मैदान में पंचायत कर अगला निर्णय लिया जाएगा। गुरुवार शाम को चौधरी नरेश टिकैत ने सिसौली के किसान भवन में कहा कि कृषि कानून के विरोध में दिल्ली के गाजीपुर बार्डर पर लगभग दो माह से चल रहा धरना उठा लिया जाएगा। हालांकि देर शाम भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत का रोते हुए वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ।

इसमें चौधरी राकेश टिकैत कह रहे हैं कि कृषि कानूनों को रद न किया गया तो वह आत्महत्या कर लेंगे। चौधरी राकेश टिकैत के इस बयान के बाद सिसौली समेत आसपास के क्षेत्र में असमंजस पैदा हो गया। इसके बाद रात करीब नौ बजे भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने आपात किसान पंचायत बुला ली। इसमें उन्होंने कहा कि शुक्रवार को दिन में 11 बजे सभी लोग मुजफ्फरनगर के राजकीय इंटर कालेज मैदान में जुटेंगे। किसान आंदोलन में आगे की रणनीति पर वहीं निर्णय लिया जाएगा।

चौधरी टिकैत ने कहा कि रात में गाजीपुर बार्डर पर कुछ भी होता है तो इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बगैर जांच पूरी हुए यदि गिरफ्तारी की गई तो हालात बिगड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कानून हाथ में नहीं लेते, लेकिन सरकार ऐसा करने को मजबूर कर रही है। पंचायत में रालोद के पूर्व विधायक राजपाल बालियान ने भी समर्थन का आश्वासन दिया।

## बीजेपी के शाहनवाज और वीआइपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने ली एमएलसी की शपथ

**पटना ।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा की मौजूदगी में नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य शाहनवाज हुसैन और पशुपालन व मत्स्य संसाधन मंत्री मुकेश साहनी ने विधान परिषद की सदस्यता ग्रहण की। विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह ने दोनों सदस्यों को शपथ दिलाई। शाहनवाज हुसैन ने उर्दू में तो मुकेश साहनी ने हिंदी में शपथ ली। इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री विजय चौधरी, पर्यटन मंत्री जीवेश मिश्रा, पूर्व मंत्री श्रवण कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और विधान परिषद सदस्य संजय मयूख के अलावा कई विधान परिषद सदस्य मौजूद रहे।

**इसी महीने निर्वाचित हुए–** भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन और राज्य सरकार में मंत्री व वीआइपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी इसी महीने विधान परिषद के लिए निर्वाचित हुए हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी और विनोद नारायण की रिक्त सीटों पर दोनों नेताओं ने नामांकन किया था। उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। सुशील मोदी के राज्यसभा जाने और विनोद नारायण झा के विधायक बनने के बाद दोनों सीटें रिक्त हुई थीं। शाहनवाज हुसैन का परिषद सदस्य के रूप में कार्यकाल मई 2024 तक होगा जबकि मुकेश सहनी का कार्यकाल जुलाई 2022 में समाप्त होगा।

शाहनवाज हुसैन पहली बार बिहार विधान परिषद के सदस्य बने हैं। हालांकि, इसके पूर्व वे केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। दो बार सांसद रह चुके शाहनवाज पहली बार किशनगंज और दूसरी बार उपचुनाव में भागलपुर से संसद तक पहुंचे थे। जबकि मुकेश सहनी इसके पूर्व किसी भी सदन के सदस्य नहीं रहे हैं। वे पहली बार उच्च सदन के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। शाहनवाज को लेकर सत्ता के गलियारों में यह चर्चा बेहद आम है कि नीतीश सरकार में उन्हें मंत्री का पद सौंपा जा सकता है। इसी वजह से बिहार विधान परिषद में उनका प्रवेश कराया गया है।

## सीएम योगी बोले- लोकतंत्र की गरिमा की रक्षा करती है एक सशक्त और समर्थ विधायिका

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश विधान मंडल में उच्च सदन यानी विधान परिषद के 11 सदस्यों का कार्यकाल को समाप्त हो गया। इस दौरान विधान भवन में विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। इस अवसर पर समारोह को उन्होंने संबोधित भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधायिका के शक्तिशाली होने और उसे समर्थ बनाने में सबसे बड़ी भूमिका वहां पर आने वाले सदस्यों की है। माननीय संदस्यों के संवाद से इसको काफी ताकत मिलती है। वह अपने संवाद को माध्यम बनाकर अपनी बातों को सहजता के साथ सरलता के साथ अपनी बातों को सदन में रखते हैं, यह काफी मायने रखता है। अगर हमें लोकतंत्र की गरिमा की रक्षा करनी है तो हमें विधायिका की गरिमा की रक्षा करनी पड़ेगी। लोकतंत्र का आधार हमारी विधायिका है, एक सशक्त और समर्थ विधायिका लोकतंत्र की जड़ों को शक्तिशाली बनाती है।

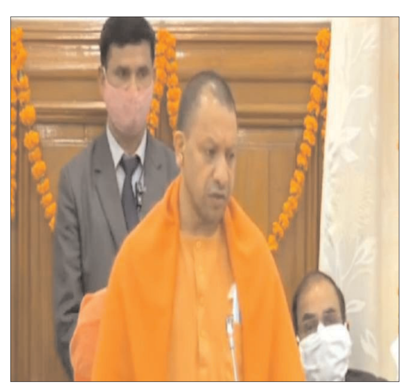

उन्होंने कहा कि इस उच्च सदन ने सदैव विधायिका के लिए एक सुनिश्चित मापदंड तय कर रखे हैं। यही कारण था कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद को पंडित मदन मोहन मालवीय, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत, सर तेज बहादुर सप्रू तथा प्रख्यात कवियत्री महादेवी वर्मा जैसी विभूतियों ने सुशोभित किया। इस सदन के माध्यम से ही उन्होंने देश के सामने उत्तर प्रदेश की विधायिका, विधान मंडल तथा विधान परिषद की गरिमा को एक नई ऊंचाई दी थी।

उन्होंने कहा कि यह स्वाभिक रूप से है कि यह स्भाविक रूप से है कि जो व्यक्ति किसी कार्यस्थल पर आया है, वह तो जाएगा ही। आने तथा जाने का क्रम तो लगा ही रहता है। इस बीच में हमको कार्य करने का जो मौका तथा समय मिलता है, उसमें हम अपने दायित्वों तथा कर्तव्यों का किस तरह से निवर्हन करते हैं, यह अधिक मायने रखता है। हम अपने काम से ही लम्बे समय तक जाने जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधान भवन में शुक्रवार को विधान परिषद के 11 सदस्यों के विदाई समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। इन सभी का 11 सदस्यों का कार्यक्रम 30 जनवरी को समाप्त हो रहा है। विदाई कार्यक्रम विधानभवन के तिलक हॉल में हुआ। विधान परिषद के जिन सदस्यों का कार्यकाल 30 जनवरी को समाप्त हो रहा है, उनमें परिषद के सभापति रमेश यादव, भाजपा के डॉ.दिनेश शर्मा, स्वतंत्र देव ड्क्षसह व लक्ष्मण आचार्य, समाजवादी पार्टी के अहमद हसन, आशु मलिक, राम जतन राजभर, वीरेंद्र ड्क्षसह, साहब ड्क्षसह सैनी तथा बहुजन समाज पार्टी के धर्मवीर ड्क्षसह अशोक व प्रदीप कुमार जाटव शामिल थे। बसपा से सदस्य रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी की सदस्यता समाप्त की जा चुकी है। इन 11 में से भी उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम डॉ.दिनेश शर्मा, भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव ड्क्षसह व विधान परिषद लक्ष्मण आचार्य के साथ और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष समाजवादी पार्टी के अहमद हसन फिर से विधान परिषद में निर्वाचित हुए हैं।

## ओवैसी के पांचों विधायक ने सीएम नीतीश कुमार से की मुलाकात, आगे-आगे देखिए क्या गुल खिलाएगी यह बात

**पटना ।** बिहार की राजनीति में अभी भारी उथल-पुथल का दौर चल रहा है। बसपा के एकमात्र विधायक ने जदयू का दामन थाम लिया है। लोजपा के भी टूटने का इंतजार है। इसी बीच बिहार में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम के पांचों विधायकों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात की, जिसके बाद से कयासों का बाजार गर्म हो गया है। सियासी हलकों में पांचों विधायकों की मंशा पर चर्चा होने लगी है।

**आखिर माजरा क्या है**

इस चर्चा ने तब और जोर पकड़ लिया, जब पता चला कि कुछ ही देर पहले विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने भी नीतीश कुमार से मुलाकात की है। आखिर क्या है माजरा विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम ने राजग और महागठबंधन से अलग गठबंधन बनाकर बिहार में प्रत्याशी उतारे थे। पहली बार उसके पांच विधायक जीतकर आए। स्पीकर के चुनाव में सभी ने महागठबंधन को समर्थन दिया। किंतु दो महीने के भीतर ही आखिर क्या बात हो गई कि पांचों विधायकों ने नीतीश कुमार से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की।

सवाल मौजूं है। क्योंकि महज कुछ दिन पहले बसपा के बिहार में एकमात्र विधायक जमां खान ने पार्टी बदली है। उन्होंने जदयू की सदस्यता ली है। लोजपा के एकमात्र विधायक राजकुमार सिंह के बोल-बचन से भी साफ है कि उन्हें भी चिराग पासवान से ज्यादा नीतीश कुमार से अपनापा हो गया है। कभी भी पार्टी बदल सकते हैं। ऐसे माहौल में किसान आंदोलन के समर्थन में महागठबंधन की प्रस्तावित मानव श्रृंखला से महज दो दिन पहले ओवैसी के विधायकों की मुख्यमंत्री से मुलाकात कई तरह के सवाल खड़े कर रही है। मुलाकात के दौरान जदयू के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे।

**नीतीश बेहतर सीएम**

नीतीश कुमार से मिलने वालों में एआइएमआइएम के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक अख्तरुल ईमान भी थे। उनके साथ इजहार अशफी, अंजर नईमी, शाहनवाज़ आलम और रूकनुद्दीन भी थे। मुलाकात के बाद एआइएमएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल इमान ने कहा कि सीएम नीतीश को वे हमेशा ये अच्छा मुख्यमंत्री मानते हैं। भाजपा से तो वे बेहतर हैं ही।हालांकि पार्टी की ओर से बताया गया है कि सभी विधायक सीमांचल के विकास की योजनाएं लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करने गए थे। दैनिक जागरण से इजहार अशफी ने कहा कि वे लोग इलाके की समस्याओं को लेकर गए थे। मुख्यमंत्री से अच्छी गुफ्तगू हुई। उन्होंने आश्वासन दिया है कि आप लोगों के बताए सारी समस्याओं का समाधान होगा। बकौल इजहार, मुख्यमंत्री पहले भी सीमांचल की समस्याओं को लेकर गंभीर रहे हैं। इसलिए भरोसा है कि हमारी मांगें जरूर पूरी करेंगे। विधायकों की मुलाकात का मकसद चाहे जो हो, लेकिन चर्चाओं की रफ्तार पर ब्रेक नहीं लगाया जा सकता है। फिलहाल तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

## कृषि कानूनों के खिलाफ 31 जनवरी को ट्रैक्टर रैली करेगी कांग्रेस

**रांची ।** कृषि कानूनों के खिलाफ केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए 31 जनवरी को कांग्रेस ट्रैक्टर रैली का आयोजन करेगी। यह रैली गोड्डा में कारगिल चौक से होते हुए देवघर के रोहिणी स्थित शहीद स्थल तक जाएगी। कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने दावा किया कि शांतिपूर्ण ढंग से और लोकतांत्रिक तरीके से रैली के माध्यम से केंद्र का ध्यान आकर्षित करेंगे। देश हित में इन कानूनों को वापस लेने की भी मांग की जाएगी। रैली के आयोजन को लेकर पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक प्रदीप यादव को संयोजक बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस रैली की गूंज सिदो कान्हू की धरती से उठकर नई दिल्ली स्थित केंद्र सरकार तक सुनाई देगी। राज्य के पांचों प्रमंडल में इस तरह की रैलियां निकाली जाएंगी जिसके लिए अभी तिथि तय नहीं की गई है।कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कांग्रेस भवन में गुरुवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि गांधीवादी तरीके से एक मजबूत आवाज केंद्र सरकार के कानों तक पहुंचाई जाएगी वरना आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

गोड्डा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा. रामेश्वर उरांव, विधायक दल नेता आलमगीर आलम, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, पार्टी के विधायक और गठबंधन दल के नेता शिरकत करेंगे। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं डा. राजेश गुप्ता छोटू भी उपस्थित थे।

बादल पत्रलेख ने कहा कि नई दिल्ली में आंदोलन कर रहे किसानों के साथ झारखंड की जनता और किसान भी पूरी ताकत के साथ 31 जनवरी को अपना समर्थन प्रकट करने के लिए सड़कों पर निकलेंगे। पूरे प्रदेश में बैठकें आयोजित कर किसानों को आमंत्रित किया जा रहा है। बुधवार को पतरातू में सभा थी, गुरुवार को खूंटी में और आगे गिरिडीह, कोडरमा, चतरा हर जगह के किसानों को बुलाया जा रहा है। कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने नई दिल्ली में 26 जनवरी की घटना की निंदा करते हुए कहा है कि वैसे लोग जो इस आंदोलन को असफल बनाना चाहते थे। उन्होंने षडयंत्र के तहत किसानों के आंदोलन को आक्रोशित करने का काम किया। उन्होंने इस घटना को लेकर राष्ट्रपति और सर्वोच्च न्यायालय से न्यायिक जांच कराने का आग्रह किया है। निवेदन किया कि स्वत- संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की न्यायिक जांच कराई जाए।

उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा कि आखिर रैली के लिए अनुमति किसने दी थी और उसने क्या तैयारियां की थीं। केंद्र सरकार की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि दर्जनों किसानों की जान गई लेकिन आक्रोश नहीं पनता। अचानक ऐसा क्या हुआ कि भीड़ आक्रोशित हो गई। 26 जनवरी जो हमारा गणतंत्र का दिन था उस दिन की घटना निंदनीय है। इस मुद्दे पर लोकसभा में विशेष सत्र आहूत कर बहस होनी चाहिए, राज्यों के विधानसभा और विधान परिषद में भी बहस होनी चाहिए।

## नवीं व 11वीं के लिए स्कूल खोलने पर कैबिनेट लेगी फैसला

**देहरादून ।** प्रदेश में अगले माह फरवरी से कक्षा छह से आठवीं तक कक्षाएं प्रारंभ नहीं होंगी। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सरकार इन कक्षाओं के बच्चों के लिए स्कूल खोलने का खतरा मोल लेने के पक्ष में नहीं है। अलबत्ता नवीं और 11वीं की कक्षाओं को खोलने की तैयारी है। इस बारे में फैसला 30 जनवरी को कैबिनेट की बैठक में लिया जाएगा।

कोरोना संकट की वजह से चालू शैक्षिक सत्र 2020-21 के तकरीबन दस महीने सरकारी और निजी स्कूल खुल नहीं पाए। बीते नवंबर माह में बोर्ड कक्षाओं 10वीं व 12वीं की पढ़ाई के लिए स्कूल खोलने की अनुमति दी गई। दो महीने गुजरने को हैं, लेकिन स्कूलों को पूरी तरह खोलने पर अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन और सरकार में हिचक साफतौर पर बनी हुई है। कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से कमी आई है। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन और अभिभावक किसी भी तरह का खतरा उठाने को तैयार नहीं है।

दरअसल कोविड-19 के मानकों के मुताबिक कक्षाओं खासतौर पर छोटी कक्षाओं को संचालित करना टेढ़ी खीर है। अमूमन इन कक्षाओं में छात्रसंख्या ज्यादा होती है। कक्षाएं प्रारंभ होने पर सुरक्षित शारीरिक दूरी, आवश्यक चिकित्सकीय बंदोबस्त और कोविड प्रोटोकाल के मद्देनजर जरूरी व्यवस्थाएं स्कूलों में करनी होंगी। निजी स्कूलों में इसे लेकर संशय की वजह चालू शैक्षिक सत्र का समापन की ओर होना है। निजी स्कूलों में आनलाइन वार्षिक परीक्षा की तैयारी पूरी हो चुकी है अथवा शुरू की जा चुकी है।

अगले माह परीक्षा के लिए तैयार बैठे स्कूल सत्र के आखिरी में रिस्क लेने को तैयार नहीं दिख रहे। कमोबेश यही स्थिति सरकारी स्कूलों की भी है। शहरी और दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड प्रोटोकाल के पालन की चुनौती है। खासतौर पर छोटी कक्षाओं के लिए यह चुनौती बड़ी है। इसी वजह से अभिभावकों में भी इसे लेकर संशय बरकरार है। हालांकि कुछ राज्यों में अब स्कूलों को खोला जा चुका है। शिक्षा मंत्री अरविंद पांडेय ने भी बीते दिनों विभागीय समीक्षा बैठक में स्कूलों को खोलने पर विचार करने के निर्देश दिए थे। साथ ही इस संबंध में प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष रखने को कहा है।

शिक्षा सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि कक्षा नौ व 11वीं के लिए स्कूल खोलने पर विचार किया जा रहा है। इन कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को अगले सत्र में बोर्ड परीक्षाओं में बैठना है। इस वजह से विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया है। इस पर फैसला 30 जनवरी को मंत्रिमंडल की बैठक में लिया जाना है। उन्होंने कहा कि छठी से लेकर आठवीं तक कक्षाओं को शुरू करने पर फिलहाल विचार नहीं किया जा रहा है।

# पुलिस बैंड ने दीं सुमधुर प्रस्तुतियां, हुआ ओजपूर्ण एवं प्रभावी मार्च पास्ट

## मुख्यमंत्री शिवराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ बीटिंग द रिट्रीट, सीएम ने सपत्नीक की आयोजन में शिरकत

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में शुक्रवार को बीटिंग द रिट्रीट समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सपत्नीक शिरकत की। ए वतन, मेरे वतन, आबाद रहे तू, मेरा रंग दे बसंती चोला, मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी जैसी पुलिस बैंड की सुमधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को देशभक्ति से गुंजायमान करता तथा ताकत वतन की हमसे है, मां तुझे सलाम, सारे जहां से अच्छा की धुन पर ओजपूर्ण एवं वीरता का संचार करने वाले प्रभावी मार्च पास्ट के साथ इस वर्ष का गणतंत्र दिवस आयोजन आज सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र-गान एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ हुई। मध्यप्रदेश पुलिस के ब्रास बैंड व पाइप बैंड ने सामूहिक वादन की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। संगीतमय प्रस्तुतियों के साथ ओजपूर्ण और प्रभावी मार्च पास्ट ने सभी को मंत्रमुंग्ध कर दिया। अंत में बैण्ड ने सारे जहां से अच्छा की धुन पर मार्च पास्ट किया। कार्यक्रम स्थल पर सतरंगी प्रकाश और शानदार आतिशबाजी की गई। कार्यक्रम में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसएएफ मिलिंद कानस्कर, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउण्ड में आयोजित बीटिंग द स्ट्रीट कार्यक्रम में सपत्नीक शामिल हुए।

### कोरोना शहीदों को भी याद किया

कार्यक्रम में पुलिस बैंड द्वारा कोरोना शहीदों को भी अपनी प्रस्तुति ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी के माध्यम से याद किया गया।

**क्या है बीटिंग द रिट्रीट:** बीटिंग द रिट्रीट का आयोजन अर्धसैन्य बलों की एक सुदीर्घ प्राचीन परम्परा है। जब युद्ध के बीच सैन्य टुकड़ियां सूर्यास्त पर वापस अपने कैम्पों में आती थी, तब युद्ध के तनाव को कम करने के लिए मनोरंजक बैंड वादन किया जाता था। भारत में बीटिंग द रिट्रीट गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों के औपचारिक समापन का प्रतीक है।

**मप्र बीटिंग द रिट्रीट आयोजित करने वाला एकमात्र राज्य:** देश में बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम आयोजित करने वाला मध्यप्रदेश एकमात्र राज्य है। प्रतिवर्ष 29 जनवरी को पुलिस द्वारा राजधानी भोपाल में यह आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम नई दिल्ली में रायसीना हिल्स के विजय चौक पर होता है, जिसमें राष्ट्रपति के समक्ष भारतीय थल सेना, वायु सेना और जल सेना के बैंड दलों द्वारा वादन एवं मार्च पास्ट की सामूहिक प्रस्तुति की जाती है।

# मुख्यमंत्री शिवराज सिंह किसानों के खाते में आज अतंरित करेंगे सम्मान निधि

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार, 30 जनवरी को दोपहर 1.30 बजे प्रदेश के 20 लाख किसानों के खाते में 400 करोड़ की किसान सम्मान निधि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान सागर मुख्यालय से कार्यक्रम में शामिल होंगे और किसान सम्मान निधि की राशि सिंगल क्लिक से किसानों के खाते में अंतरित करेंगे। वर्चुअल कार्यक्रम में सभी जिला मुख्यालय पर अधिकारी एवं किसान शामिल होंगे।

**20 लाख किसानों को मिलेगी 400 करोड़ की सम्मान निधि**

मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए योजना के लाभांवित किसानों से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मध्यप्रदेश दूरदर्शन, प्रादेशिक टीवी न्यूज चैनल्स और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर किया जाएगा। प्रदेश के किसानों के हित में निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना शुरू की है। योजनांतर्गत किसानों को एक वित्तीय वर्ष में दो समान किश्तों में कुल 4 हजार रुपए की सम्मान निधि देने का प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री सागर जिला मुख्यालय से किसानों को योजना की द्वितीय किश्त का भुगतान ऑनलाइन करेंगे।

## राज्य प्रशासनिक सेवा के सात अधिकारियों के तबादले

**भोपाल, (प्रसं)।** राज्य शासन ने शुक्रवार को राज्य प्रशासनिक सेवा (राप्रसे) के सात अधिकारियों के नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए हैं, जो इस प्रकार हैं-

| नाम | वर्तमान पदस्थापना | नवीन पदस्थापना |
|---|---|---|
| सुनील दुबे | मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिपं सिवनी | उप सचिव मप्र शासन संस्कृति विभाग |
| शैलेन्द्र सिंह सोलंकी | अपर कलेक्टर, जिला धार | क्षेत्रीय प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम इंदौर |
| मेहताब सिंह गुर्जर | अपर आयुक्त, नगर निगम भोपाल | मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिपं शहडोल |
| चन्द्रप्रताप गोहल | संयुक्त कलेक्टर जिला जबलपुर | अपर आयुक्त,नगर पालिक निगम भोपाल |
| अंकिता प्रजापति | डिप्टी कलेक्टर जिला राजगढ़ | डिप्टी कलेक्टर जिला झाबुआ |
| प्रियांशी भंवर | डिप्टी कलेक्टर जिला छतरपुर | डिप्टी कलेक्टर जिला शहडोल |
| शिखा पोरस नरदाल | संयुक्त कलेक्टर जिला इंदौर | अवर सचिव मप्र शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग |

# बंगाल में टीएमसी के कई नेता भाजपा के संपर्क में : मिश्रा

**भोपाल (एजेंसी)।** गृह एवं जेल मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा इन दिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं और शुक्रवार को वे कई कार्यक्रमों में शामिल हुए ।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) के कई लोग भाजपा के संपर्क में है और चुनाव आते-आते ममता बनर्जी अपने परिवार के साथ अकेली रह जाएंगी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान का भी हवाला दिया कि बंगाल मे अब ममता और उनके परिवार के अलावा तृणमूल कांग्रेस के पास कोई नहीं बचेगा। ममता पर तंज कसते हुए नरोत्तम ने कहा कि चुनाव के समय उन्हें हिंदीभाषी याद आ रहे हैं, लेकिन सच तो यह है कि न तो बंगाल भाषियों और न ही हिंदी भाषियों के प्रति बल्कि केवल अपने परिवार के प्रति समर्पित हैं। ममता बनर्जी की तुष्टीकरण की राजनीति पश्चिम बंगाल के लोग समझ चुके हैं।

### तृणमूल कांग्रेस के राज में बंगाल में अराजकता

नरोत्तम ने ममता पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें राम नाम से ही आपत्ति है यानी कि साफ तौर पर है कि बंगाल में वे रावण राज चला रही है। बंगाल के बारे में नरोत्तम ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के राज में यहां अराजकता का राज है और चारों ओर एक ऐसा वातावरण तैयार हो गया है, जो अब केवल भाजपा के पक्ष में और राष्ट्र के हित में वोट करना चाहता है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए कहा कि वे जो कहते हैं वह कर के दिखाते हैं जैसे तीन तलाक, धारा 370 और राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा ने जो कुछ कहा वह करके भी दिखाया है। नरोत्तम ने शुक्रवार को कई स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की और आने वाले चुनावों की रणनीति के बारे में उनसे चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से एक मुट्ठी अनाज लेने की शुरुआत करते हुए कहा कि अन्नदाता के सम्मान में भाजपा कोई कमी नहीं आने देगी।

## मुख्यमंत्री शिवराज ने की सीहोर के जन-प्रतिनिधियों से चर्चा, अफसरों को दिए निर्देश

# खेल मैदानों का रख-रखाव सुनिश्चित हो

### गांवों के विकास का भी पंचवर्षीय रोडमैप विकसित करें

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिए कि जिन नगरों तथा ग्रामों में खेल मैदान या स्टेडियम बनाए गए हैं, उनके रख-रखाव के लिए नीति विकसित की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि खेल मैदानों के रख-रखाव के लिए बजट आवंटन कहा से आएगा और इसके लिए कौन उत्तरदायी होगा। बच्चों तथा युवाओं को खेल सुविधा निरंतर उपलब्ध हो सके, इसके लिए खेल मैदानों का सतत रख-रखाव आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार को निवास पर जन-प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से जन-कल्याण तथा अधोसंरचना निर्माण से संबंधित योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे।

**जन-कल्याणकारी योजनाओं में पात्र व्यक्ति वंचित न रहे:** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे परिवारों के राशन कार्ड, दिव्यांग सहायता, आयुष्मान कार्ड, पेंशन योजनाओं और संबल योजना सहित सभी जन-कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। इस संबंध में यदि कोई प्रकरण भोपाल आता है, तो यह माना जाएगा कि जिला स्तर पर कार्य ठीक नहीं चल रहा है। यह देखना भी आवश्यक है कि कोई भी अपात्र व्यक्ति योजना से लाभांवित न हो।

**विकासखंड तथा विधानसभा क्षेत्र की अपनी अलग पहचान बनाए :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गांवों के विकास का पंचवर्षीय रोडमैप विकसित किया जाए तथा बजट उपलब्धता के आधार पर निर्धारित प्राथमिकताओं का चरणबद्ध रूप से सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी और सार्वजनिक सुविधा संबंधी निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं, वहां यदि अतिक्रमण हो तो उन्हें तत्काल हटाया जाए। सभी गांवों में हर घर में नल-जल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पुरातत्व तथा पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों का विकास भी आवश्यक है। जिले के साथ विकासखंड तथा विधानसभा क्षेत्र की भी अपनी अलग पहचान विकसित की जाए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से विकास योजनाओं पर चर्चा की।

### विकासखंड स्तर पर भी लगे स्व-रोजगार मेले

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के संदर्भ में युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार संबंधी प्रशिक्षण के लिए जिला सहित विकासखंड स्तर पर मेले आयोजित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि ऐसे समागमों में स्व-सहायता समूहों की सहभागिता और उनके उत्पादों का प्रदर्शन किया जाना चाहिए। इन गतिविधियों से युवाओं की रूचि और प्रतिभा को पहचानने तथा उनमें नेतृत्व क्षमता उभारने में सहायता मिलती है और उन्हें निश्चित दिशा प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सीहोर जिले के जन-प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्माण कार्यों, नर्मदा नदी के घाटों के विकास, बुधनी के सौंदर्यीकरण, वन ग्राम से राजस्व ग्राम परिवर्तन, छूटे वनाधिकार पट्टों, नल-जल सुविधा के विस्तार, सिंचाई सुविधा के विस्तार, बाढ़ से क्षतिग्रस्त आवासों के निर्माण और रिक्त पदों की स्थिति संबंधी जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में वन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष गुरुप्रसाद शर्मा, वेयरहाऊसिंग कार्पोरेशन के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत, आयुक्त भोपाल संभाग कवींद्र कियावत सहित अन्य जन-प्रतिनिधि तथा अधिकारी उपस्थित थे।

# प्रदेश युवा कांग्रेस ने महामंत्रियों और सचिवों के बीच किया कार्य विभाजन

### महामंत्री को पांच और सहयोगी सचिव को दिया एक-एक जिले का प्रभार

**भोपाल (एजेंसी)।** युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव (प्रभारी मध्यप्रदेश) की सहमति के बाद प्रदेश युवा कांग्रेस के महामंत्रियों एवं सचिवों को कार्य विभाजन करते हुए उन्हें जिलों का आवंटन कर दिया है।

महामंत्री को अधिकांशत पांच एवं सहयोगी सचिव को एक-एक जिला दिया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. भूरिया ने भोपाल के विवेक त्रिपाठी, सचिव को मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। साथ ही सचिव भोपाल के अनिल मिश्रा, फैजल नईम एवं रंजीत बैस, बालाघाट को कार्यालय का दायित्व सौंपा है। जानकारी के अनुसार भोपाल ग्रामीण की जिम्मेदारी विदिशा के सुमित मोतियानी, नरसिंहपुर की मोना कौरव को भोपाल शहर की जिम्मेदारी दी गई है। इंदौर ग्रामीण अंकित पाठक (खंडवा), इंदौर शहर प्रतीक जैन (उज्जैन), जबलपुर शहर की सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा को, होशंगाबाद के फैजानउल हक को जबलपुर ग्रामीण और ग्वालियर शहर एवं ग्रामीण का प्रभार शालू पुरोहित को दिया गया है। वहीं रतलाम के किशन सिंघार को उज्जैन, हरदा जिले का प्रभार बैतूल के विजय पारधी, बैतूल का प्रभार मयूर जायसवाल (होशंगाबाद), होशंगाबाद का प्रभार वीरेंद्र मिश्रा (भोपाल), सागर का प्रभार अतुल चौरसिया (नरसिंहपुर) एवं छिंदवाड़ा जिले का प्रभार अंकित ढोली (इंदौर) को दिया गया है।

### नगरीय निकाय चुनाव के दृष्टिगत सौंपी गई है जिम्मेदारी

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न होने के बाद हुई बैठक में उनकी पसंद के जिले उनको आवंटित किए गए हैं। सभी महासचिवों को संभाग स्तर और सचिवों को जिला स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगरीय निकाय चुनाव के दृष्टिगत प्रभारी नियुक्त कर दिए गए हैं। इनकी निरंतर समीक्षा की जाएगी और इनको फिल्ड पर झौंकने का काम यूथ कांग्रेस करेगा, जिसका लाभ निश्चित ही आने वाले नगरीय निकाय चुनावों में मिलेगा।

**विवेक त्रिपाठी**, अध्यक्ष, मिडिया विभाग, मप्र युवा कांग्रेस

# मुख्यमंत्री आज करेंगे ऑटोमेटिक सांची डेयरी संयंत्र का लोकार्पण

**भोपाल ।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 30 जनवरी को सागर जिले के सिरोंजा में नवीन ऑटोमेटिक सांची डेयरी संयंत्र का लोकार्पण, सांची के नवीन शुभंकर और टैग-लाइन का अनावरण करेंगे। पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह, राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक प्रदीप लारिया और शैलेंद्र जैन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे। पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने बताया कि सागर जिले को एक माह के भीतर पशुपालन के क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी सौगात मिलने जा रही है। 40 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाला ऑटोमेटिक सांची डेयरी संयंत्र राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, आणंद, गुजरात द्वारा निर्मित है। पिछले माह 30 दिसंबर को सागर जिले के ग्राम रतौना में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत 9 करोड़ 70 लाख की लागत के पशु प्रजनन प्रक्षेत्र और 5 करोड़ के कृषक एवं कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण व छात्रावास भवन का लोकार्पण हुआ है। भारत सरकार द्वारा देशी नस्ल की गायों के संरक्षण, संवर्धन और उन्नयन के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन प्रारंभ किया गया है। पूरे देश में केवल 13 राज्यों के 20 स्थानों पर गोकुल मिशन शुरू किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश के सागर जिले का रतौना ग्राम शामिल है।

**पशुपालन के क्षेत्र में सागर जिले को एक माह में दूसरी बड़ी सौगात**

# रेरा के नए चेयरमैन की तलाश शुरू

## सिर्फ प्रमुख सचिव रैंक के आईएएस कर सकेंगे आवेदन

**भोपाल (एजेंसी)।** आखिर प्रदेश सरकार ने रियल स्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी के नए चेयरमैन की तलाश शुरू कर दी है। बकायदा सरकार ने इसके लिए विज्ञापन जारी कर आवेदन मंगाए हैं। इस पद के लिए केवल वे ही आईएएस आवेदन कर सकेंगे, जिनकी प्रमुख सचिव या उससे ऊपर की रैंक होगी और उनका रिटायरमेंट जनवरी 2021 से दिसंबर 2021 के बीच का रहेगा। इसके अलावा रेरा के लिए तकनीकी सदस्यों की तलाश भी शुरू कर दी है। इसके लिए भी उम्मीदवार को पंद्रह साल का अनुभव इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल इस्टेट के क्षेत्र में होना अनिवार्य होगा। इसके अलावा उसका रिटायरमेंट भी जनवरी से दिसंबर 2021 के बीच होना ही अनिवार्य होगा।

**पिछले चार महीने से खाली है पद**

**सितंबर में हटा दिए गए थे डिसा :** रेरा कानून के तहत चेयरमैन के तौर पर पहली नियुक्ति पूर्व मुख्य सचिव एंटोनी डिसा की हुई थी, लेकिन पिछले साल सितंबर में राज्य सरकार ने डिसा को पद से हटा दिया था। इसके बाद से एक-एक कर सदस्यों को भी हटा दिया गया। फिलहाल रेरा सिर्फ एक सदस्य के भरोसे ही है।

### यह है रेरा का कार्य

रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 भारत की संसद का एक अधिनियम है, जो घर खरीदारों के हितों की रक्षा करने और अचल संपति उद्योग में अच्छे निवेश को बढ़ावा देने के लिए बना है। बिल राज्यसभा द्वारा 10 मार्च 2016 को और लोकसभा में 15 मार्च 2016 को पारित कर दिया गया था। 92 में से 69 अधिसूचित वर्गों के साथ 1 मई 2016 से ये अधिनियम अस्तित्व में आया। केंद्र और राज्य सरकारें छह महीने की वैधानिक अवधि के भीतर अधिनियम के अंतर्गत नियम सूचित करने के लिए उत्तरदायी हैं। इस अधिनियम को बिल्डरों, प्रमोटरों और रियल एस्टेट एजेंटों के खिलाफ शिकायतों में वृद्धि के अनुसार बनाया गया है। इन शिकायतों में मुख्य रूप से खरीदार के लिए घर कब्जे में देरी, समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद भी प्रमोटरों का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार और कई तरह की समस्याएं हैं। रेरा एक सरकारी निकाय है जिसका एकमात्र उद्देश्य खरीदारों के हितों की रक्षा के साथ ही प्रमोटरों और रियल एस्टेट एजेंटों के लिए एक पथ रखना है, ताकि उन्हें बेहतर सेवाओं के साथ आगे आने का मौका मिले।

# अब 8 मार्च और 5 जून को भी होंगी ग्राम सभाओं की बैठकें

**भोपाल (एजेंसी)।** राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि वर्ष में पूर्व से तय चार ग्राम सभाओं के अलावा हर साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च एवं विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को भी ग्राम सभा की विशेष बैठक आयोजित की जाएंगी।

पंचायत राज संचालनालय द्वारा इस संबंध में निर्देश जारी किये गये हैं कि ग्राम सभाएं रोटेशन में ग्राम पंचायत के सभी ग्रामों में पृथक-पृथक आयोजित की जाएं। जब ग्राम पंचायत के मुख्यालय के गांव में ग्राम सभा का आयोजन हो तो सभी ग्रामों के लोग उपस्थित रहें। वर्तमान में प्रत्येक ग्राम सभा के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी सामान्यतः क्लस्टर/सेक्टर लेवल के होते हैं। कुछ चयनित ग्राम सभाओं में जिला या विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा गया है। कोरम की पूर्ति एक औपचारिकता का विषय नहीं। ग्राम सभा आयोजन का प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे कोरम की पूर्ति हो सके। ग्राम सभा की वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिये गये हैं। ग्राम सभा की बैठक का कार्रवाई विवरण बैठक समाप्त होने के पूर्व पढ़कर सुनाया जाए।

संचालक पंचायत राज बीएस जामोद ने कहा कि ग्राम सभाओं की बैठकों को आकर्षक व रोचक बनाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व अन्य विकास विभागों का आईईसी मटेरियल, दृश्य, श्रव्य माध्यामों से डिस्प्ले की व्यवस्था की जाए। ग्राम सभा की बैठकों में महिलाओं, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग, युवाओं एवं दिव्यांगों की उपस्थिति ग्राम सभाओं की जनसंख्या के अनुपात में सुनिश्चित की जाए।

# छात्रवृत्ति लंबित रखने पर सहायक संचालक निलंबित

**भोपाल (एजेंसी)।** छात्रवृत्ति (ओवरसीज स्कॉलरशिप) लंबित रखने पर पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग भोपाल के सहायक संचालक एचबी सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय संभागीय उपायुक्त, आदिवासी तथा अनुसूचित जाति विकास नर्मदापुरम संभाग, होशंगाबाद रहेगा। आयुक्त आदिवासी विकास ने निलंबन आदेश जारी किया।

सहायक संचालक एचबी सिंह द्वारा छात्र हेमंत पाटीदार की ओवरसीज स्कॉलरशिप को अनावश्यक रूप से लंबित रखा गया। इस संबंध में छात्र के पिता बल्लभ पाटीदार मेहगांव, धार द्वारा की गई शिकायत पर लोकायुक्त द्वारा भी कार्रवाई की गई है।

# एक ही शिक्षा, सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा: एडीजी सागर

## जबलपुर, सिवनी, कटनी और छिंदवाड़ा में यातायात सुरक्षा के लिए दी गई समझाइश

**भोपाल (एजेंसी)।** शराब पीकर वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें करना, हेलमेट न लगाना, सीट बेल्ट न लगाना इत्यादि क्रिया-कलाप न केवल सड़क दुर्घटनाओं को आमंत्रण देता है, बल्कि जीवन को भी खतरे में डाल देता है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पीटीआरआई डीसी सागर ने यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा अभियान के अंतर्गत जबलपुर, सिवनी, कटनी और छिंदवाड़ा में आमजन को समझाइश देते हुए यह बातें बताईं।

पुलिस द्वारा 32वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 18 जनवरी से 17 फरवरी, 2021 तक सुगम यातायात के लिए सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा थीम पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गत दिवस जबलपुर और कटनी तथा शुक्रवार को सिवनी और छिंदवाड़ा में वॉकाथन के दौरान बगैर हेलमेट लगाए चलने वाले राहगीरों को हेलमेट लगाने की समझाइश दी गई। हेलमेट और सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने वालों का सम्मान किया गया। साथ ही शाबाशी भी दी गई। मुख्य चौराहों पर सड़ैक दुर्घटनाओं के कारक बनने वाले कारणों जैसे शराब पीकर वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें करना, हेलमेट न लगाना, सीट बेल्ट न लगाना इत्यादि के साथ ही दुर्घटनाओं के उपरांत घायलों की सहायता करने के स्थान पर मोबाइल पर वीडियो बनाने की प्रवृत्ति का नाट्य रूपांतरण भी किया गया।

### घायलों को अस्पताल पहुंचा कर पुण्य लाभ प्राप्त करें

एडीजी श्री सागर ने कहा कि दुर्घटना के घायलों को गोल्डन ऑवर में उपचार उपलब्ध करवाने में सहायता करने वाले नेक व्यक्ति को कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है। बेहतर होगा कि भविष्य में वीडियो बनाने के स्थान पर घायलों को अस्पताल पहुंचा कर पुण्य लाभ प्राप्त करें। एडीजी श्री सागर और जिलों के पुलिस अधीक्षकों और अधीनस्थ अमले द्वारा आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। युवाओं से अपील की गयी कि वे वाहन चलाते समय सावधानी रखते हुए यातायात के नियमों का पालन करें और नशे से दूर रहें।

# रोहन श्रेष्ठ संग शादी की बात पर आया श्रद्धा कपूर का रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड रोहन श्रेष्ठ संग शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं, ऐसी चर्चा है। अब श्रद्धा कपूर का इस पर स्टेटमेंट आया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट्स ज्यादा होने की वजह से वह शादी के बारे में नहीं सोच रही हैं। यह सिर्फ एक अफवाह है। हालांकि, रोहन श्रेष्ठ संग वह रिलेशनशिप में हैं, इस पर बात करने से उन्होंने इनकार कर दिया। बातचीत में श्रद्धा कपूर ने कहा, अभी, मेरे पास इन सभी चीजों को सोचने के लिए समय नहीं है। मैं इस समय सिर्फ फिल्मों पर फोकस करना चाहती हूं। यह सिर्फ एक अफवाह है, जिसे आप सभी लोग बढ़ावा दे रहे हैं। पिछले साल 2020 में श्रद्धा कपूर के पिता शक्ति कपूर ने स्पॉटब्वॉय को दिए इंटरव्यू में कहा था कि इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। आने वाले अगले 4-5 साल श्रद्धा शादी का प्लान कर ही नहीं रही हैं। इस समय उनकी प्लेट में बहुत सारी चीजें हैं, जिन पर फोकस करना जरूरी है। आने वाले प्रोजेक्ट्स पर वह ध्यान देना चाहती हैं। अगले दो साल श्रद्धा का कैलेंडर एकदम ब्लॉक है। यह सभी बकवास बाते हैं। शक्ति कपूर ने आगे कहा कि लिंकअप्स और रिलेशनशिप की खबरें, फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं। मुझे श्रद्धा और रोहन के लिंकअप की खबर को सुनकर शॉक लगा है। मेरी बेटी की जिंदगी में क्या हो रहा है, मुझे पता है। रोहन और श्रद्धा के बारे में जो बातें बन रही हैं, ऐसा कुछ भी नहीं है।

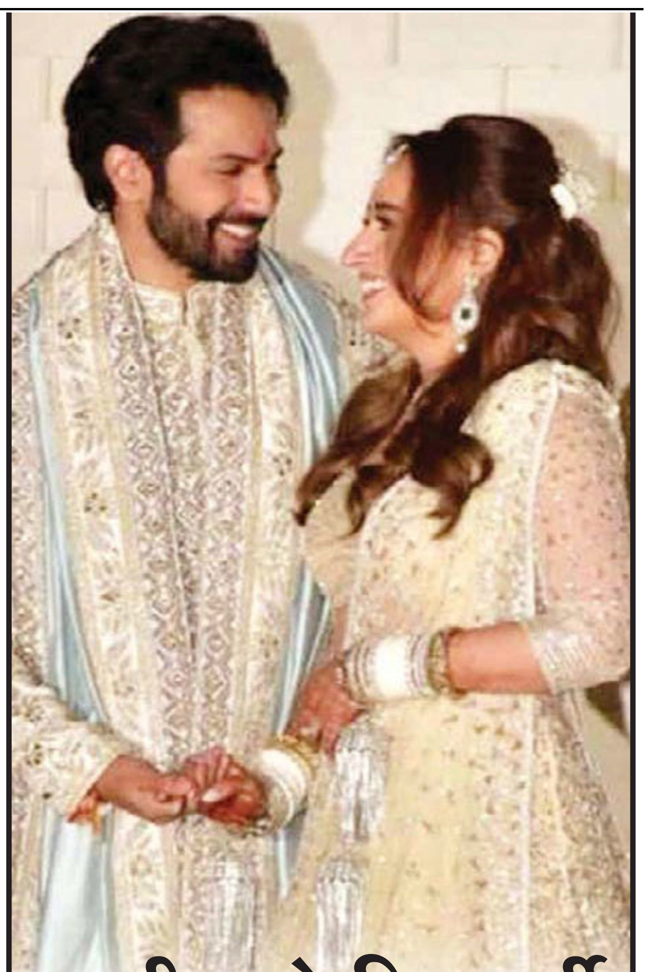

# हनीमून के लिए तुर्की जाएंगे वरुण-नताशा?

## आमिर खान के जाने पर हो चुका है बवाल

हाल ही में वरुण धवन और नताशा दलाल शादी के बंधन में बंध गए। इस ग्रैंड शादी में कोरोना वायरस महामारी के कारण सीमित लोग ही शामिल हो सके। अब बाकी कपल्स की तरह वरुण-नताशा के हनीमून को लेकर भी तमाम अटकलें लगाई जा रही हैं लेकिन सूत्रों के मुताबिक जो जगह उन्होंने चुनी है, वहां आमिर खान के जाने से बवाल हो चुका है।

### हनीमून पर नहीं जाने का था प्लान

फिलहाल, कपल की तरफ से इस बारे में कुछ बताया नहीं गया है लेकिन कहा जा रहा है कि वरुण और नताशा हनीमून के लिए तुर्की जा सकते हैं। पहले ऐसी चर्चा थी कि दोनों कोरोना और वरुण के वर्क कमिटमेंट्स के कारण शादी के तुरंत बाद हनीमून पर नहीं जाएंगे।

### कपल का बदल गया मन

अब लेटेस्ट खबरों की मानें तो कपल का मन बदल गया है और वे तुर्की के इस्तांबुल के खूबसूरत और लग्जूरियस शीरॉन पैलेस में क्वॉलिटी टाइम स्पेंड करेंगे। समुद्र के किनारे बना यह होटल अपनी खूबसूरती और बेहतरीन लग्जरी के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है।

### कई लोगों के निशाने पर थे आमिर

यूं तो पहले भी दुनियाभर के बड़े सिलेब्स छुट्टियां मनाने शीरॉन पैलेस आते रहे हैं लेकिन बॉलिवुड के सुपरस्टार के तुर्की पहुंचने से देश में काफी हंगामा भी मच चुका है। दरअसल, आमिर अपनी आने वाली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग के लिए पिछले साल भारत से तुर्की गए थे। वहां 15 अगस्त की रात उन्होंने तुर्की की फर्स्ट लेडी राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की पत्नी एमीन एर्दोगन से मुलाकात की थी। इसी के बाद आमिर भारत में कई लोगों के निशाने पर आ गए थे।

# फैंस का इंतजार खत्म, इस दिन रिलीज होगी राजामौली की फिल्म आरआरआर

बाहुबली फेम एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'आरआरआर' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब इस फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। जूनियर एनटीआर, अजय देवगन, आलिया भट्ट और राम चरण स्टारर फिल्म आरआरआर दशहरा के मौके पर 13 अक्टूबर 2021 को दुनिया भर में रिलीज होगी। आरआरआर की रिलीज डेट को लेकर आलिया भट्ट से लेकर तमाम स्टार्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। आलिया लिखती हैं, जल्दी से आप सभी तैयार हो जाओ, सिनेमाघरों में आरआरआर 13 अक्टूबर 2021 को रिलीज होने जा रही हैं। इस बारे में जूनियर एनटीआर ने भी पोस्ट किया। वह लिखते हैं, पानी और आग की ताकत पहली बार आपको देखने को मिलेगा कि कितनी असहनशील होती है। इसका अनुभव करने के लिए तैयार हो जाइए। निर्माता डीवीवी दानय्या ने कहा, हम आरआरआर की शूटिंग शेड्यूल के अंत के करीब पहुंच गए हैं और इस फिल्म को दर्शकों के सामने लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। हम दर्शकों के साथ, सिनेमाघरों में दशहरा जैसे बड़े उत्सव को मनाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। आरआरआर एक अखिल भारतीय फिल्म है जिसे डीवीवी दानय्या द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट्स बैनर के तले बनाया गया है और तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और कई अन्य भारतीय भाषाओं में रिलीज के लिए तैयार है।

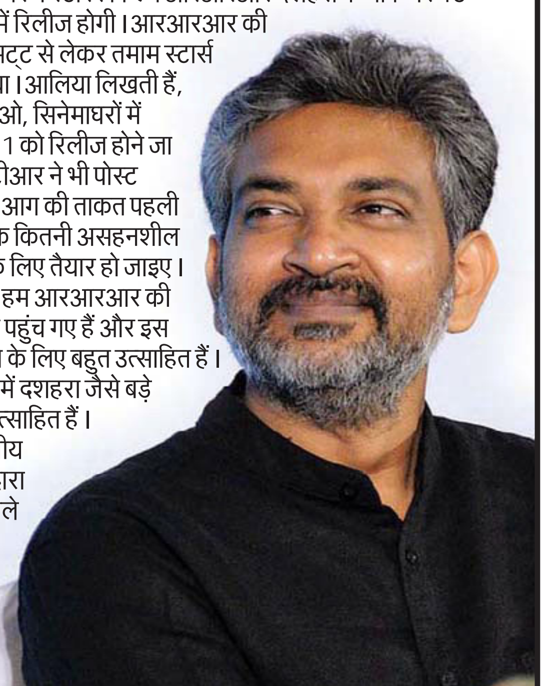

# जैकलीन फर्नांडिस भी अब हॉलिवुड में रखने जा रही हैं कदम

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस, 'वुमन स्टोरीज' फिल्म से हॉलिवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में छह महिला फिल्मकारों द्वारा निर्देशित छह कहानियां दिखाई जाएंगी, जिनमें ड्रामा, कॉमिडी और ऐनिमेशन आदि शामिल हैं। डेडलाइन में छपी रिपोर्ट के अनुसार फर्नांडिस, लीना यादव की शॉर्ट स्टोरी 'शेयरिंग ए राइड' में नजर आएंगी। उसमें उनके साथ ट्रांसजेंडर कलाकार अंजलि लामा भी काम करेंगे। यादव को 'पार्च्ड', 'राजमा चावल' और 'तीन पत्ती' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने के लिए जाना जाता है। 'वुमन स्टोरीज' में कारा डेलेविंगने, ईवा लोंगोरिया, मार्गरिटा बॉय, लियोनोर वरेला और मार्सिया गे हार्डे न भी हैं। कई कहानियों को समेटने वाली इस फिल्म की शूटिंग इटली, भारत और अमेरिका में होगी।

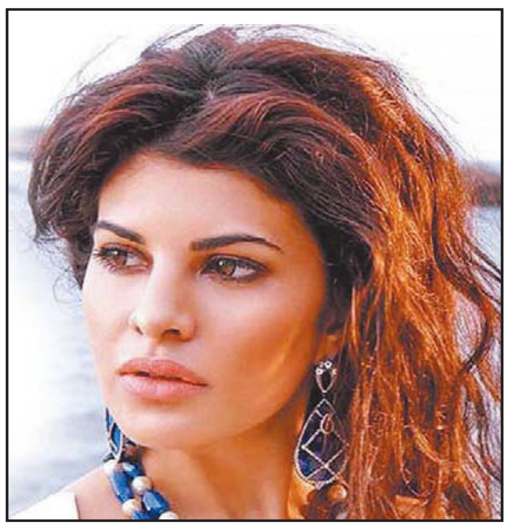

# लोग पार्टी कर सकते हैं, लेकिन थिएटर में नहीं जा सकते, क्यों?

अभिनेता शरद केलकर इस बात से वाकई में बेहद हैरान हैं कि लोग सिनेमाघरों में जाने से अभी भी कतरा रहे हैं, जबकि लॉकडाउन के बाद मनोरंजन के कई सारे साधनों की फिर से शुरुआत कर दी गई है। शरद ने बताया, ''लोग पब, कॉफी शॉप, रेस्तरां, शादी-ब्याह और तो और छुट्टियों में गोवा तक जा रहे हैं। लोग अच्छे से पार्टी वगैरह मना रहे हैं, लेकिन पता नहीं क्यों वे सिनेमाघरों में नहीं जा रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''जबकि थिएटर्स काफी सुरक्षित हैं और इसमें लोगों को 50 प्रतिशत तक ही सीमित रखा गया है। नियमित तौर पर इनकी सफाई की जा रही है, सैनिटाइजेशन किया जा रहा है। यह हमारी बड़ी इंडस्ट्रीज में से एक हैं, जो कि दर्शकों पर पूरी तरह से निर्भर है, इसलिए मैं सभी से आग्रह करता हूं कि अगर आप पार्टी कर सकते हैं, तो थिएटर में भी जा सकते हैं।'' अभिनय की बात करें, तो शरद आगामी एनिमेटेड सीरीज 'द लीजेंड ऑफ हनुमान' के नैरेटर के रूप में काम कर रहे हैं और साथ ही वह अजय देवगन अभिनीत 'भुज : द प्राइड ऑफ इंडिया' व वेब सीरीज 'फैमिली मैन 2' का भी हिस्सा हैं।

# 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गाने के बारे में गलत जानकारी देकर ट्रोल हुए विशाल ददलानी, मांगनी पड़ी माफी

अक्सर सेलेब्स अपने बयानों के कारण ट्रोलर्स के निशाने पर आ जाती हैं। इस बार मशहूर सिंगर और संगीतकार विशाल ददलानी भी अपने एक गलत बयान की वजह से काफी ट्रोल होने लगे हैं। दरअसल, इन दिनों विशाल को म्यूजिक रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' में जज के तौर पर देखा जा रहा है। हाल ही में उन्हें एक एपिसोड में लता मंगेशकर के गाने को लेकर गलत जानकारी दी, जिसकी वजह से उन्हें ट्रोल किया जाने लगा है। एक प्रतिभागी ने लता मंगेशकर का देशभक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गाया था। इस पर विशाल ने एक गलत तथ्य बता दिया। उन्होंने कहा, यह गाना लता मंगेशकर ने 1947 में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के लिए गाया था। यह दुनिया का एक मात्र ऐसा गाना है, जो ऑल टाइम हिट है। उन्होंने कहा, आपने इसे गाने की अच्छी कोशिश की, लेकिन लता मंगेशकर जैसा इसे कोई नहीं गा सकता। गाने के बारे में गलत जानकारी दर्शकों को देने के लिए विशाल को जमकर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। अब सोशल मीडिया पर ट्रोल होने के बाद विशाल ददलानी ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी है। उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा, 'ऐ मेरे वतन के लोगों के बारे में मेरी गलत जानकारी से नाराज लोगों से मैं माफी मांगता हूं। बता दें कि ऐ मेरे वतन के लोगों' गाने का सही तथ्य है कि इसे 1962 में कवि प्रदीप द्वारा लिखा गया था। इसमें मशहूर संगीतकार रह चुके सी रामचंद्रन ने म्यूजिक दिया था, जबकि लता मंगेशकर ने इसे गाया था। यह गाना 1962 में भारत-चीन की लड़ाई के बाद भारतीय सैनिकों के लिए लिखा गया था। लता मंगेशकर ने इसे 26 जनवरी, 1963 में दिल्ली में गाया था।

# अच्छे कामों के साथ अधिक दिखना थोड़ा मुश्किल

साल 2010 में फिल्म 'आयशा' के साथ अमृता पुरी ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म से उन्हें अच्छी-खासी पहचान भी मिली। इसके बाद आई फिल्मों 'काय पो छे' और 'जजमेंटल है क्या' में भी उनके अभिनय को काफी सराहा गया, लेकिन उन्हें उस हिसाब से उतनी पहचान नहीं मिली। हाल ही में आई वेब सीरीज 'जीत की जिद' में एक बार फिर से अमृता को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। उन्होंने अपने कुछ विचारों को साझा करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि अच्छे काम के साथ ज्यादा से ज्यादा दिखना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन अगर हम अच्छे के मुकाबले अधिक से अधिक काम करने को तवज्जो देते हैं, तो ऐसा मुमकिन है।'' वह आगे कहती हैं, ''अगर हम ओटीटी सहित अन्य माध्यमों में परियोजनाओं की बात करें, तो अधिकतर कहानियां पुरूष-केंद्रित हैं, जिसमें महिलाओं के किरदारों को बखूबी लिखा या पेश नहीं किया जाता है। ऐसे में मेरे जैसे किसी कलाकार के लिए वह जगह काफी सीमित है, जहां काम कर आत्म-संतुष्टि मिले। मुझे लगता है कि इसमें विस्तार की आवश्यकता है ताकि क्वॉलिटी और क्वॉन्टिटी में बैलेंस ढूंढ़ने वाला मुझ जैसा कोई कलाकार पर्दे पर अधिक से अधिक दिख सके।'' वह आखिर में कहती हैं, ''हालांकि मुझे बदलाव भी नजर आ रहा है और यही वजह है कि मुझे 'जीत की जिंद' में जया का किरदार मिला।'' जी5 के इस शो में सुशांत सिंह, अली गोनी, मृणाल कुलकर्णी और गगन रंधावा जैसे कलाकार भी हैं। यह विशाल मंगलोरकर द्वारा निर्देशित है।

# जॉन अब्राहम ने दी गणतंत्र दिवस की बधाई 'सत्यमेव जयते 2' की रिलीज डेट का किया ऐलान

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम ने आज गणतंत्र दिवस के मौके पर फैन्स बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी नई फिल्म सत्यमेव जयते 2 की रिलीज डेट का ऐलान किया है। जॉन अब्राहम ने सोशल मीडिया पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह हाथ में तिरंगा झंडा पकड़े नजर आ रहे हैं। फोटो में जॉन सफेद रंग के कुर्ते के साथ सफेद पगड़ी भी बांधी हुई है। तस्वीर शेयर करते हुए जॉन ने लिखा, ''तन मन धन से बढ़कर जण गण मन। सत्यमेव जयते 2 की टीम की ओर से हैप्पी रिपब्लिक डे। ईद पर 14 मई को मुलाकात होगी।'' मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित सत्यमेव जयते में जॉन के अलावा मनोज बाजपेयी सहित कई सितारे अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म 2018 में रिलीज 'सत्यमेव जयते' का सीक्वल है। सत्यमेव जयते 2 में दिव्या खोसला कुमार भी हैं। सत्यमेव जयते 2 को भूषण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं। हाल ही में जॉन अब्राहम वाराणसी में फिल्म सत्यमेव जयते 2 की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद जॉन को सुंदरपुर स्थित एपेक्स हॉस्टिपल में उपचार के लिए ले जाया गया था। उनका एक्स-रे किया गया, जिसमें पता चला कि उनके दाहिने हाथ की एक उंगली में मोच है। हालांकि, अब वह ठीक होकर फिल्म के अगले शेड्यूल की शूटिंग में जुट गए।

## संक्षिप्त समाचार

### सन फार्मा का शुद्ध लाभ 1852 करोड़ रुपए रहा

**नई दिल्ली।** दवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सन फार्मास्युटिकल्स का एकीकृत शुद्ध लाभ दिसंबर, 2020 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दोगुना होकर 1852.48 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। ज्यादातर बाजारों में बिक्री बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 913.52 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई का भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन से एकीकृत कुल आय बढ़कर 8836.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एक साल पहले समान अवधि में यह 8154.85 करोड़ रुपए रही थी।

### डॉ रेड्डीज का तिमाही मुनाफा बढ़ा

**नई दिल्ली।** डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत आधार पर 27.9 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। कंपनी को साल भर पहले की समान तिमाही में 538.4 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजारों को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि आलोच्य तिमाही के दौरान परिचालन से उसका कुल राजस्व 4941.9 करोड़ रुपए रहा, जो साल भर पहले के 4397.1 करोड़ रुपए से 12.38 प्रतिशत अधिक है। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज के को-चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जीवी प्रसाद ने कहा, हमने ब्याज व कर आदि से पहले की कमाई में वृद्धि की गति को बरकरार रखा है। कुछ नये अधिग्रहण की वजह से लाभ पर थोड़ा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी स्पूतनिक-वी टीके के तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षणों में अच्छी प्रगति कर रही है।

### वॉकहार्ट का मुनाफा 69 प्रतिशत बढ़ा

**नई दिल्ली।** दवा कंपनी वॉकहार्ट ने शुक्रवार को बताया कि 31 दिसंबर 2020 को खत्म हुई चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 68.66 प्रतिशत बढ़कर 32.40 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी को इससे पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान 19.21 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। वॉकहार्ट ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय 12.89 प्रतिशत बढ़कर 864.56 करोड़ रुपए हो गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 765.80 करोड़ रुपए थी। वॉकहार्ट ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में तिमाही के दौरान उसने ब्रिटेन में 301 करोड़ रुपए का कारोबार किया, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 38 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की वैश्विक आय में ब्रिटेन के कारोबार की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

### एनटीपीसी संयंत्र की दूसरी इकाई जल्द शुरू होगी

**नई दिल्ली।** सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने शुक्रवार को कहा कि उसके संयुक्त उद्यम मेजा उरजा निगम की 660 मेगावाट की दूसरी इकाई 31 जनवरी से व्यावसायिक रूप से चालू हो जायेगी। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया, स्वीकृत प्रावधानों और आवश्यक मंजूरियों के आधार पर मेजा तापीय विद्युत स्टेशन की 660 मेगावाट क्षमता की दूसरी इकाई 33 जनवरी की सुबह से व्यावसायिक रूप से परिचालित घोषित की जाती है। मेजा तापीय विद्युत स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और एनटीपीसी लिमिटेड का संयुक्त उपक्रम है। इसके साथ मेजा तापीय विद्युत स्टेशन और एनटीपीसी समूह की कुल वाणिज्यिक क्षमता क्रमशः 1320 मेगावाट और 63925 मेगावाट हो जायेगी।

### एनटीपीसी ने रुचि पत्र आमंत्रित किए

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने अपने बिजली संयंत्रों में मेथनॉल उत्पादन इकाइयां लगाने को लेकर रूचि पत्र आमंत्रित किए हैं। निविदा दस्तावेज के अनुसार संबंधित राज्यों और केंद्र सरकार से जरूरी मंजूरी मिलने के बाद इन इकाइयों को स्थापित किया जाएगा। इन इकाइयों का विकास बनाओ, रखो और चलाओ के आधार पर किया जाएगा। रूचि पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 30 मार्च, 2021 है। बोलियों को 31 मार्च 2021 को खोला जाएगा। निविदा दस्तावेज 28 जनवरी, 2021 को जारी किया गया। इस बारे में स्पष्टीकरण मांगने की अंतिम तथि 20 मार्च, 2021 है। बोली दस्तावेज के अनुसार, एनटीपीसी का मकसद देश में कंपनी के विभिन्न संयंत्रों में कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषित करना, हाइड्रोजनद्ध उत्पादन और मेथनॉल में बदलने की समग्र इकाई स्थापित करना है।

# शेयर बाजार में लगातार बिकवाली हावी

## सेंसेक्स 588 अंक गिरा, सूचीबद्ध कंपनियों की बाजार पूंजी 2 लाख करोड़ रुपए घटी

**मुंबई।** केंद्रीय बजट से पहले शेयर बाजार लगातार छह सत्रों से गिरावट के साथ बंद हो रहा है। इस दौरान सेंसेक्स ने 50184 के रिकॉर्ड स्तर को छू कर 3900 फिसल गया है। बाजार में इतनी लंबी गिरावट पिछले साल सितंबर में देखने को मिली थी। यह दूसरा सप्ताह है जब बाजार ने निवेशकों को निगेटिव रिटर्न दिया है। इससे पहले दो हफ्तों की साप्ताहिक गिरावट पिछले साल मई में देखने को मिली थी। लिस्टेड कंपनियों का टोटल मार्केट कैप भी 2 लाख करोड़ रु घटकर 186.13 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो गुरुवार को 188.13 लाख करोड़ रुपए था।

गुरुवार को सेंसेक्स 535.57 अंकों की गिरावट के साथ 46874.36 पर और निफ्टी 150 अंक नीचे 13817.55 पर बंद हुआ था। 29 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का सेंसेक्स 588.59 अंकों की गिरावट के साथ 46285.77 पर बंद हुआ है। इसमें डॉ रेड्डीज का शेयर सबसे ज्यादा 5.69 फीसदी ीचे बंद हुआ है। दूसरी ओर इंडसइंड बैंक का शेयर 5.97 फीसदी ऊपर पर बंद हुआ है। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 183 अंक नीचे 13634.60 पर बंद हुआ है। बाजार की गिरावट में आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयर सबसे आगे रहे। दोनों इंडेक्स में 2-2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। एक्सचेंज पर 3063 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें 1389 शेयर बढ़त और 1520 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए हैं। यानी 50 फीसदी शेयरों में गिरावट रही।

### एक्सचेंज पर आईआरएफसी का शेयर लिस्ट

इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन आईआरएफसी का शेयर 24.85 रुपए पर जारी हुआ है। यह बीएसई पर इश्यू प्राइस से 4 फीसदी नीचे 24.90 रुपए प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुआ, जबकि इश्यू प्राइस 26 रुपए प्रति शेयर था। इससे पहले कंपनी का आईपीओ 3.49 गुना भरा था। 4633 रुपए का यह आईपीओ 18 जनवरी से 20 जनवरी तक खुला था। यह 2021 का पहला आईपीओ रहा।

### लगातार पैसा निकाल रहे विदेशी निवेशक

शेयर बाजार से विदेशी निवेशक और घरेलू निवेशक लगातार पैस निकाल रहे हैं। सप्ताह में चार दिन विदेशी निवेशकों ने शेयरों की बिकवाली की। 21 जनवरी को छोड़ दिया जाए तो 22 जनवरी को विदेशी निवेशकों ने 635.69 करोड़ रुपए की बिकवाली की। इसी तरह 25 जनवरी को 765.30 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि 27 जनवरी को 1688.22 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। 28 जनवरी को विदेशी निवेशकों ने 3712.51 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की है। इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी शेयरों की बिकवाली की है। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में गिरावट रही। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.63 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया का ऑल ऑर्डिनरीज 0.68 फीसदी, हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग 0.82 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए हैं। इसी तरह जापान का निक्केई इंडेक्स 1.91 फीसदी और कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 3.03 फीसदी नीचे बंद हुए हैं।

# जीएसटी संग्रह रिकार्ड स्तर पर रहने की उम्मीद

### जनवरी में 1.21 से 1.23 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान

**मुंबई।** जीएसटी संग्रह जनवरी में रिकार्ड 1.21 से 1.23 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। इससे राज्य जीएसटी संग्रह में कमी न्यूनतम 11000 करोड़ रुपए रह जाएगी। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

जीएसटी संग्रह में खामियों को दूर करने के लिये किये गये प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा कि दिसंबर 2020 में रिकार्ड 1.15 लाख करोड़ रुपए संग्रह के बाद जनवरी 2021 में जीएसटी संग्रह 1.21 से 1.23 लाख करोड़ रुपए रह सकता है। और हो सकता है कि यह कुछ और ज्यादा रहे। रिपोर्ट के अनुसार संग्रह किये गये आईजीएसटी एकीकृत जीएसटीद्ध का 50 प्रतिशत हिस्सा भी मार्च तक राज्यों के बीच बांटा जाता है, तब पूर्ण रूप से क्षतिपूर्ति उपकर को ध्यान में रखते हुए राज्य जीएसटी में कमी केवल 11000 करोड़ रुपए रह जाएगी। इस बीच सरकार के पास अधिशेष नकदी 28 जनवरी की स्थिति के अनुसार उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 3.34 लाख करोड़ रुपए पहुंच गयी। सितंबर 2020 में 1.08 लाख करोड़ रुपए और दिसंबर में 2.26 लाख करोड़ रुपए थी। इससे सरकार को मामूली रूप से कुछ कम कर्ज लेना पड़ा है। सरकार ने 22 जनवरी तक की स्थिति के अनुसार 11.46 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया और कैलेंड वर्ष के तहत शेष कुल 1.16 लाख करोड़ रुपए के ऋण के साथ कुल कर्ज 13.03 लाख करोड़ रुपए बैठता है जो पूर्व के 13.10 लाख करोड़ रुपए से कम है। राज्य जीएसटी एसजीएसटी संग्रह अप्रैल-दिसंबर, 2020 में 12 प्रतिशत घटकर 1.87 लाख करोड़ रुपए रहा। वहीं आबंटित आईजीएसटी 1.26 लाख करोड़ रुपए रहा जो 13 प्रतिशत कम है।

# आईओसी का मुनाफा दोगुना बढ़ा

### तीसरी तिमाही में 4916.59 करोड़ रुपए रहा मुनाफा

**नई दिल्ली।** इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन आईओसी का दिसंबर 2020 में समाप्त चालू वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक हो गया। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि की वजह से कंपनी को भंडारण पर लाभ हुआ है और साथ ही उसका पेट्रोरसायन मार्जिन भी बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आईओसी का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 4916.59 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2339.02 करोड़ रुपए था। आईओसी के चेयरमैन श्रीकान्त माधव वैद्य ने कहा, भंडारण पर लाभ और ऊंचे पेट्रोरसायन मार्जिन की वजह से हमारा शुद्ध लाभ बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम इस समय कंपनी द्वारा अनुबंधित मूल्य से अधिक हैं। ऐसे में तिमाही के दौरान कंपनी को भंडारण पर 2630 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है। वैद्य ने कहा कि तिमाही के दौरान आईओसी की रिफाइनरियों को प्रत्येक बैरल कच्चे तेल को ईंधन में बदलने पर 2.19 डॉलर प्राप्त हुए। पिछले वित्त वर्ष में सकल रिफाइनिंग मार्जिन 4.09 डॉलर प्रति बैरल था।

# पांच फीसदी यूजर्स ने डिलीट किया वॉट्सएप

### डेटा शेयरिंग के नियम से दिख रही नाराजगी

**नई दिल्ली।** प्राइवेसी पॉलिसी में बदलाव से नाराज वॉट्सएप के यूजर्स ने इस इंस्टैंट मैसेजिंग एप को अनइंस्टॉल करना शुरू कर दिया है। इसका पता कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकलसर्किल्स के हालिया सर्वे में चला है जो उसने इंडियन यूजर्स की प्रतिक्रिया जानने के लिए कराया था। सर्वे में शामिल पांच फीसदी यूजर्स ने कहा कि उन्होंने वॉट्सएप को अनइंस्टॉल कर दिया है। 21 फीसदी यूजर्स ने कहा कि वे उसकी जगह दूसरे मैसेजिंग एप का इस्तेमाल कर रहे हैं। 22 फीसदी यूजर्स ने बताया कि उन्होंने वॉट्सएप का इस्तेमाल काफी घटा दिया है। इसी महीने वॉट्सएप ने अपनी प्राइवेसी और पॉलिसी सर्विस में बदलाव किया था। उसके अंदर यूजर्स को बिजनेस एकाउंट के चैट, पेमेंट और ट्रांजैक्शन की जानकारी पेरेंट कंपनी और थर्ड पार्टी के साथ शेयर करने की इजाजत देना था। वॉट्सएप ने प्राइवेट डेटा शेयरिंग की इजाजत मांगने पर बवाल को देखते हुए तारीख बढ़ाकर 15 मई कर दी थी।

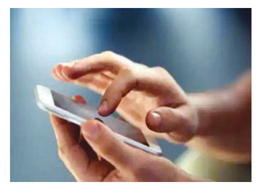

### वॉट्सएप बंद कर सकते हैं यूजर्स

लोकलस किर्ल्स ने अपने सर्वे में पाया कि वॉट्सएप के लगभग 75 फीसदी यूजर्स उसको यूज करना बंद करने के बारे में सोच रहे हैं। उनका कहना है कि बिजनेस एकाउंट के यूजर और ट्रांजेक्शन डेटा को फेसबुक और थर्ड पार्टी के साथ शेयर करना पड़ा, तो वे उसको छोड़ देंगे। सर्वे में शामिल 93 फीसदी लोगों ने कहा कि वे वॉट्सएप का पेमेंट फीचर यूज नहीं करेंगे अगर वह भुगतान और लेनदेन की जानकारी फेसबुक और दूसरी पार्टियों को देती हैं।

# कोपा इटालिया के सेमीफाइनल में पहुंचा नेपोली

**रोम।** नेपोली ने कोपा इटालिया के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नेपोली ने टूर्नामेंट के अंतिम आठ के मुकाबले में स्पेजिया को 4-2 से हराया।

नेपोली ने हाफ टाइम से पहले ही जीत सुनिश्चित कर ली थी। नेपोली के लिए कालिदो कौलिबली, हीरिंग लोजानो, माटेओ पोलिटानो और एल्जीफ एल्मास ने गोल किए। ब्रेक पर यह टीम 4-0 से आगे थी। दूसरे हाफ में हालांकि स्पेजिया ने दो गोल करते हुए वापसी की कोशिश की लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। नेपोली सेमीफाइनल में अटलांटा से भिड़ेगा जबकि अन्य सेमीफाइनल में जुवेंटस और इंटर मिलान के बीच मुकाबला होगा।

### सेमीफाइनल में अटलांटा से होगी भिड़ंत

### ईपीएलः लिवरपूल ने टोटेनहम को हराया

**लंदन।** राबर्टो फर्मिनो ने प्रीमियर लीग फूटबॉल में लिवरपूल का 483 मिनट का गोल का सूखा खत्म किया और टोटेनहम को 3-1 से हराकर पिछली चैम्पियन टीम ने फॉर्म में वापसी की। लिवरपूल के लिये बाकी दो गोल ट्रेंट अलेक्जेंडर अर्नाल्ड और सादियो माने ने किए। यह पांच मैचों के बाद लिवरपूल की पहली जीत है। इस जीत के बाद वह अंकतालिका में चौथे नंबर पर पहुंच गई। शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से उसके चार अंक कम है। जोस मोरिन्हो की टोटेनहम उनसे आठ अंक पीछे छठे स्थान पर है।

### क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोरोना वायरस नियमों का उल्लंघन किया

**रोम।** दुनिया के शीर्ष फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को विश्राम के दो दिन पहाड़ों में बिताना महंगा पड़ सकता है क्योंकि उन्होंने इस बीच कोरोना वायरस से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया। जुवेंट्स का यह स्टार ओर उनकी पार्टनर जियोर्जिना रोड्रिग्स ने मंगलवार और बुधवार के दिन उत्तर पश्चिम इटली के वाले डि ऑस्टा क्षेत्र में कोरमायुर में बिताये थे। रोनाल्डो पास के क्षेत्र पीडमोंट में रहते हैं और कोरोना वायरस के वर्तमान नियमों के अनुसार अपने दूसरे घर में जाने जैसे विशिष्ट मामलों को छोड़कर दो क्षेत्रों की यात्रा करना प्रतिबंधित है। रिपोर्टों के अनुसार पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

# तमिलनाडु मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में

### अरुण कार्तिक के 89 रन के दम पर राजस्थान को सात विकेट से हराया

**अहमदाबाद।** अरुण कार्तिक की 54 गेंदों पर नाबाद 89 रन की तूफानी पारी के दम पर तमिलनाडु ने राजस्थान को शुक्रवार को सात विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला पंजाब और बड़ौदा के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। राजस्थान ने कप्तान अशोक मिनारिया की 51 रन की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में नौ विकेट पर 154 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन तमिलनाडु ने 18.4 ओवर में ही तीन विकेट पर 158 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। अरुण कार्तिक ने मात्र 54 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 89 रन की मैच विजयी पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। कार्तिक ने कप्तान दिनेश कार्तिक के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की। दिनेश कार्तिक ने 17 गेंदों पर 26 रन में तीन चौके लगाए। सलामी बल्लेबाज एन जगदीशन ने 28 गेंदों पर 28 रन में तीन चौके लगाए।

# विश्व टूर फाइनल्स : सांत्वना भरी जीत के साथ सिंधू का अभियान समाप्त

### किदांबी श्रीकांत लगातार तीसरी हार के साथ बाहर

**बैंकॉक।** नॉकआउट की दौड़ से पहले ही बाहर विश्व चैंपियन पीवी सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में सांत्वना भरी जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया लेकिन किदांबी श्रीकांत को शुक्रवार को यहां एक और हार का सामना करना पड़ा। पहले दो मैचों में हार झेलने वाली ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधू ने अपने तीसरे और अंतिम मुकाबले में दुनिया की 13वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग को 21-18 21-15 से हराया। सिंधू ने कहा, मुझे लगता है कि अच्छा अंत रहा। असल में मेरे पास मौका था। दुर्भाग्य से टाइ के खिलाफ मुकाबले का नतीजा पक्ष में नहीं रहा इसलिए मेरे पास मौका नहीं रहा। अन्यथा यह अच्छा मुकाबला था। श्रीकांत को हालांकि हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस के खिलाफ 21-12 18-21 19-21 से हार झेलनी पड़ी। सिंधू ने पहले गेम में 9-5 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक वह 11-9 से आगे थी। चोचुवोंग ने इसके बाद वापसी करते हुए स्कोर 15-14 किया लेकिन सिंधू ने धैर्य बरकरार रखते हुए पहला गेम जीत लिया।भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद बढ़त बरकरार रखते हुए दूसरा गेम और मैच जीत लिया। सिंधू ने कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए दो मैच हारने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है लेकिन मुझे लगता है कि इन जीत के साथ वापसी करना बेहद महत्वपूर्ण है।

### पहला गेम जीतने के बाद लय कायम नहीं रख सके श्रीकांत

पुरुष एकल में दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम जीता लेकिन बाकी दोनों गेम में लय कायम नहीं रख सके। यह उनका तीसरा और आखिरी राउंड रॉबिन मैच था। पूर्व वर्ल्ड नम्बर-1 श्रीकांत लगातार तीन हार के बाद ग्रुप बी में अंतिम स्थान पर रहे। ग्रुप बी का यह पुरुष एकल मैच एक घंटे और पांच मिनट तक चला। दोनों खिलाड़ियों का इस मैच से पहले एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड 2-2 का था। श्रीकांत को गुरूवार को दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी वांग जू वेइ ने हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश की उनकी उम्मीदें तोड़ दी थी। उस मैच की तरह इसमें भी श्रीकांत ने शुरुआत अच्छी की और पहला गेम जीतकर बढत बना ली लेकिन बाकी दोनों गेम में वह उसे दोहरा नहीं सके।

अर्जेंटीना के लिए सिल्विना डिएलिया और ऑगस्टिना अलबर्टारियो ने किए गोल

# अर्जेंटीना ने भारतीय महिला हॉकी टीम को 2-0 से हराया

**ब्यूनस आयर्स।** अर्जेंटीना ने ब्यूनस आयर्स के सेनार्ड में भारतीय महिला हॉकी टीम को 2-0 से हरा दिया। अर्जेंटीना जूनियर महिला और उनकी बी टीमों के साथ मैच के बाद वर्ल्ड नंबर 2 सीनियर अर्जेंटीनी टीम के साथ भारत का यह दूसरा मैच था। मेजबान टीम ने शानदार शुरूआत करते हुए खेल के दूसरे मिनट में ही गोल कर 1-0 की बढ़त ले ली थी। अर्जेंटीना के फॉरवर्डो द्वारा बनाए गए शुरूआती दबाव ने भारत को पहले क्वार्टर में बैकफुट पर जाने पर मजबूर किया। स्ट्राइकिंग सर्कल में भारतीय डिफेंडर द्वारा किए गए एक फुट-फाउल ने घरेलू टीम को एक पेनालटी कार्नर मिला, जिस पर गोल करते हुए सिल्विना डीएलिया ने गोल कर मेजबान टीम को पहली सफलता दिलाई। हालांकि भारत ने इस शुरूआती झटके से उबरते हुए स्ट्राइकिंग सर्कल में अवसरों को खोजने के लिए एक अनुशासित संरचना पर काम किया, लेकिन वे स्कोर करने के लिए मजबूत अर्जेंटीना रक्षा को भंग नहीं कर पाई।